दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 269/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 08 मई 2025 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

पार्लियामेंट एनेक्सी में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा-

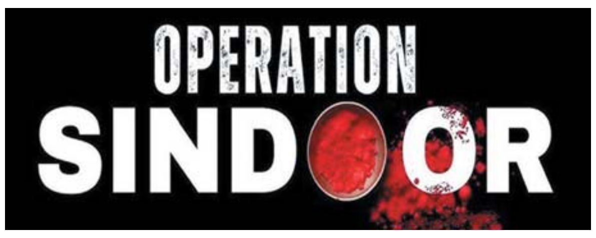

ऑपरेशन सिंदूर जारी

भारत ने पाकिस्तान का एयर डिफेंस रडार सिस्टम किया तबाह

भारत ने गुरुवार सुबह पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर दिया। इससे पहले बुधवार की देर रात पाकिस्तानी सेना ने 15 भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की थी। इसके बाद भारतीय सेना ने यह बड़ी कार्रवाई कर करारा जवाब दिया।

दिल्ली में ऑल पार्टी मीटिंग के बाद रिजिजू ने भी दोहराया, राहुल बोले- हम सरकार के साथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। यानी 7 मई को पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर हुए एयर स्ट्राइक के बाद भी ऑपरेशन रोका नहीं गया है।

रक्षा मंत्री ने ये बातें दिल्ली के पार्लियामेंट एनेक्सी में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कही। करीब डेढ़ घंटे चली बैठक से बहार आने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी रक्षा मंत्री के बयान को दोहराया।

ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए।

मीटिंग से पहले कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी के मौजूद की मांग की थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संकट में हम देश और सरकार के साथ हैं। सरकार की कोई आलोचना नहीं करनी है।

राहुल गांधी ने कहा, हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। जैसा कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, उन्होंने (सरकार ने) कहा कि कुछ चीजें हैं जिन पर हम चर्चा नहीं करना चाहते हैं।

एआईएमआईएमप्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, मैंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए हमारे सशस्त्र बलों और सरकार की सराहना की है। हमें आतंकवादी संगठन रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के खिलाफ एक वैश्विक अभियान चलाना चाहिए।

पिछली बैठक में सरकार ने माना था- पहलगाम हमले में सुरक्षा में चूक हुई

इससे पहले 24 अप्रैल को पार्लियामेंट एनेक्सी में 2 घंटे तक सर्वदलीय बैठक हुई थी। इसमें 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में पहलगाम के बायसरन घाटी में आतंकी हमले की जानकारी दी गई थी। इस आतंकी घटना में 25 टूरिस्ट और एक स्थानीय घोड़ेवाले की मौत हो गई थी।

13 दिन पहले हुई सर्वदलीय बैठक में केंद्र सरकार ने माना था कि पहलगाम हमले में सुरक्षा में चूक हुई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया था कि आईबी और गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने मीटिंग में विपक्षी नेताओं को सुरक्षा में हुई चूक के बारे में जानकारी दी।

खड़गे बोले थे- इस मुद्दे पर हम एक हैं

सर्वदलीय बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि आज की ऑल पार्टी मीटिंग में सभी पार्टियों के लोग आए थे। हमने कहा कि इस मीटिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी जरूरी थी, क्योंकि वे ही अंतिम निर्णय लेंगे। मंत्रियों ने कहा कि हम आज की बैठक की बातें पीएम को बता देंगे। हमने कहा कि बता देना और बात है, खुद सुनकर निर्णय लेना और बात है।

हमने कहा कि वहां थ्री-टियर सिक्योरिटी रहती है, इसके बाद सिक्योरिटी लैप्स कैसे हुआ? वहां पर एक हजार लोग पहुंचे हुए थे। ये सिक्योरिटी फेल्योर और इंटेलिजेंस का नेग्लीजेंस है। टेररिस्ट अटैक हुआ, सरकार को तेज और जल्दी एक्शन लेना था, जो नहीं लिया गया। सभी नेताओं ने एकसाथ मिलकर कहा कि देशहित में सरकार जो भी निर्णय लेगी, हम साथ हैं। इस मुद्दे पर हम सब एक हैं।

विदेश मंत्री बोले

पाकिस्तान ने हमला किया तो करारा जवाब देंगे

- **पंजाब बॉर्डर पर पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया**
- **अमृतसर में धमाकों के बाद मिले रॉकेट**

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को ईरान के साथ बातचीत के दौरान ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। जयशंकर ने कहा कि हमारी सेनाओं ने सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। विदेश मंत्री ने साफ-साफ कहा कि हम पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ाना नहीं चाहते हैं। अगर पाकिस्तान हमला करता है तो यह तय है कि हम उन्हें करारा जवाब देंगे। इस बैठक से पहले प्रधानमंत्री मोदी और अजित डोभाल की मीटिंग हो चुकी है। सर्वदलीय बैठक भी हुई, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी चल रहा है। इस बीच, पंजाब के फिरोजपुर में बीएसएफ ने बॉर्डर पार कर रहे एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को मार गिराया। पाकिस्तान की सेना जम्मू-कश्मीर के एलओसी पर लगातार फायरिंग कर रही है। बुधवार को हुई फायरिंग में सेना के जवान समेत 14 लोगों की जान गई है। रिपोर्टर ने बताया कि 15 लोग की मौत हुई है।

पंजाब में ही बुधवार रात अमृतसर में धमाके सुने गए। गुरुवार सुबह यहां 3 गांवों में रॉकेट मिले हैं। डिफेंस एक्सपर्ट ने संभावना जताई है कि पाकिस्तान की तरफ से ये रॉकेट्स फायर किए गए और इंडियन डिफेंस सिस्टम ने इन्हें मार गिराया। भारत ने 6 मई की रात 1:05 बजे पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की थी। इसमें 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। भारत की थलसेना, वायुसेना और नौसेना ने मिलकर ऑपरेशन सिंदूर चलाया। 1971 युद्ध के बाद यह पहली बार है, जब तीनों सेनाओं ने एक साथ पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी सैन्य कार्रवाई की है।

विशेष टिप्पणी

'ऑपरेशन सिंदूर' श्रीमद भागवत के प्रबंधन सिद्धांतों पर संपूर्ण

कल भारत के द्वारा संपन्न किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की भारत देश के प्रत्येक नागरिक द्वारा प्रशंसा की जा रही है। वास्तव में 'ऑपरेशन सिंदूर' को श्रीमद भगवत गीता के सिद्धांतों के आधार पर पूर्ण किया गया। पांच पांडवों की सेना ने आतंकवादी के स्वरूप में कौरवों को सुधर जाने की नसीहत दी यदि गौर से देखों तो नरेन्द्र मोदी ने कृष्ण स्वरूप में अपने पांच पांडव रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, एनएसए अजित डोभाल एवं वायुसेना प्रमुख अमरप्रीत सिंह ने कार्य को संपन्न किया। भारत की लक्ष्मी स्वरूप वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत के पिछले कई वर्षो के बजट में रक्षा मंत्रालय के लिए तकरीबन 3 लाख करोड़ की हथियार क्रय करने के लिए वित्तीय व्यवस्था उपलब्ध कराई। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भारत सरकार ने चाणक्य की नीतियों को बार-बार खेलकर आंतकिस्तान को भ्रमित रखा। भारत देश के प्रधानमंत्री ने देश के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष तथा केंद्रीय मंत्रिमंडल को अपने साथ विश्वास में लेकर, साधकर देश की जनता के लिए, देश की रक्षा के लिए, देश की उन्नति के लिए और देश के हर नागरिक को गर्व महसूस कराने के साथ ही पूरे देश के चुने हुए प्रतिनिधियों को भी गर्व महसूस कराया।

देश के गृहमंत्री अमित शाह ने देश के मुख्यमंत्रियों और प्रदेश अध्यक्षों तथा भारत-आंतकिस्तान से जुड़ी हुई राज्यों की सुरक्षा के लिए एक सुनियोजित व्यवस्था तैयार की जिसके तहत पूरे देश में कल सफलतम ब्लैक आउट कराया। देश की करोड़ों जनता को इस ब्लैक आउट के द्वारा एकता और एक रूपता की माला में पिरो दिया। पुनः गृह मंत्रालय के प्रबंधन को हर राज्य के कर्ताधर्ताओं नागरिकों से सहयोग से सफल बनााया। जमीनी स्तर पर भारत देश के 255 जिलों में जिला अध्यक्षों ने जिला पुलिस अधीक्षक के साथ समन्वय करके देश के प्रत्येक जाति, धर्म, भाषा और सभी समुदाय के लोगों ने एक होकर देश की सुरक्षा और एकता के लिए ब्लैक आउट को सफल बनाया।

ब्लैक आउट से भारत के हर नागरिक को बिजली की बचत करने के लिए भी एक संदेश मिला जिससे कि देश के हर नागरिक के साथ भारत के युवा वर्ग को अधिक से अधिक बिजली बचत के लिए विशेष प्रयास करना चाहिए। जिससे कि पर्यावरण को बचाने में भी सहयोग किया जा सके।

जैसा कि भागवत गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को उपदेश दिए और उन्हें प्रेरित किया कि अधर्म से युद्ध करना धर्म है, वैसे ही देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पक्ष-विपक्ष को उपदेश देकर एवं साधकर आतंकिस्तान के विरुद्ध आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सहयोग देने को तैयार किया। और प्रधानमंत्री के आतंकिस्तान विरोध में सभी मिलकर एक साथ खड़े हुए।

और अंत में....

भारत देश में जिस तेजी से वाणिज्य और व्यापार में वृद्धि हो रही है वो काबिले तारीफ है। इस वृद्धि को और बढ़ाने मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शब्द को पेटेंट रजिस्ट्रेशन करने के लिए आवेदन कर दिया है। उनके साथ ही मुकेश चेतराम अग्रवाल, ग्रुप कैप्टन कमल सिंह ओबर (सेवानिवृत्त), और आलोक कोठारी भी इस होड़ में शामिल हो गए हैं। उधर, फिल्म इंडस्ट्रीज में भी कई बड़े प्रोडक्शन हाउसेज 'ऑपरेशन सिंदूर' टाइटल को रजिस्टर कराने की दौड़ में शामिल हैं। मधुर भंडारकर, अनुराग कश्यप और कबीर खान जैसे बड़े डायरेक्टर्स के प्रोडक्शन हाउसेज इस टाइटल के लिए कोशिश कर रहे हैं। कुछ बैनर्स ने तो स्क्रिप्ट पर काम भी शुरू कर दिया है। कुछ प्रोडक्शन हाउसेज अक्षय कुमार, ऋतिक रोशन और जॉन अब्राहम जैसे स्टार्स को अप्रोच करने की प्लानिंग में हैं। भारतीय व्यापारियों का दिमाग भी कितना तीव्र है कि उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में भी व्यापार को तलाश लिया।

जय हिंद, जय भारत
भरत पटेल

कच्छ में भारत-पाक सीमा के पास विस्फोट, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास खावड़ा इलाके में आज सुबह एक विस्फोट हुआ। जानकारी के मुताबिक, एक उड़ती हुई संदिग्ध वस्तु हाई टेंशन बिजली की लाइन से टकरा गई, जिससे यह धमाका हुआ। यह घटना सुबह करीब 6 बजे इंडिया ब्रिज बॉर्डर के पास हुई।भुज के दूर-दराज गांव कोटड़ा के पास प्रतिबंधित क्षेत्र में यह घटना होने के बाद पुलिस, वायुसेना और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। जांच की जा रही है कि यह उड़ती हुई वस्तु पाकिस्तान की तरफ से आई थी या नहीं।पश्चिम कच्छ के एसपी विकास सुंडा ने बताया कि पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और संदिग्ध वस्तु को वायुसेना के हवाले कर दिया गया। अब इसकी जांच वायुसेना और बीएसएफ मिलकर कर रही हैं। सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है।

अचानक दिल्ली पहुंचे सऊदी अरब के मंत्री

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। दुनियाभर के देश शांति बरतने की अपील कर रहे हैं। इस बीच सऊदी अरब के विदेश राज्यमंत्री अदेल अलीजुबैर अचानक से दिल्ली पहुंचे हैं। सऊदी अरब के मंत्री के इस दौरे को भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। सऊदी अरब के मंत्री ने नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से मुलाकात की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आज सुबह सऊदी अरब के विदेश राज्यमंत्री अदेल अलजुबैर के साथ अच्छी बैठक हुई। आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया।

उत्तरकाशी में हेलीकॉप्टर क्रैश, 5 तीर्थयात्रियों की मौत, 2 गंभीर, गंगोत्री धाम जा रहे थे सभी

देहरादून एजेंसी। उत्तरकाशी में गुरुवार को हेलिकॉप्टर कैश हो गया। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि दो लोग घायल हो गए। पुलिस-प्रशासन के साथ ही आपदा प्रबंधन की टीम मौके ने रेस्क्यू ऑपरेशन कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद गुप्तकाशी, सिरसी और फाटा से केदारनाथ हेली सेवा रोक दी गई है।

हेलीकॉप्टर ने सहस्त्रधारा हेलीपैड से भरी थी उड़ान- हादसा उत्तरकाशी के गंगनानी में भागीरथी नदी के आसपास हुआ। हेलीकॉप्टर गंगोत्री धाम जा रहा था। इसमें 4 पुरुष और 2 महिलाएं सवार थीं। कैप्टन रॉबिन सिंह इसके पायलट थे। हेलीकॉप्टर ने पर्यटकों को लेकर देहरादून के सहस्त्रधारा हेलीपैड से उड़ान भरी थी और खरसाली पर लैंड करना था। तभी रास्ते में हादसा हो गया। गढ़वाल डिवीजन कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने हादसे की पुष्टि की है। यह घटना सीमावर्ती उत्तरकाशी जिले में गंगनानी के पास हुई।

पंजाब, राजस्थान 'हाई अलर्ट' पर, छुट्टियां रद्द, स्कूल बंद

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत द्वारा पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले करने के बाद पंजाब और राजस्थान 'हाई अलर्ट' पर हैं क्योंकि दोनों राज्य पड़ोसी देश के साथ सीमाओं को साझा करते हैं। पाकिस्तान के साथ पंजाब 532 किलोमीटर जबकि राजस्थान लगभग 1,070 किलोमीटर की सीमा साझा करता है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि पंजाब पुलिस ने अपने सभी कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं, जबकि राज्य सरकार ने छह सीमावर्ती जिलों में स्कूल बंद कर दिए हैं। सूत्रों ने कहा कि राजस्थान सरकार ने भी सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सभी प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस कर्मियों की छुट्टियों को रद्द कर दिया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के कार्यालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है, ''प्रशासनिक कारणों'' के मद्देनजर, पंजाब पुलिस के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों की छुट्टियां सात मई से रद्द कर दी गई है।

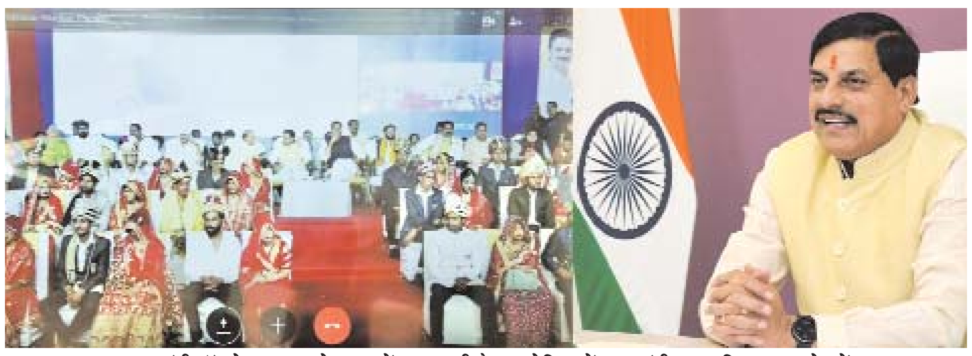

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर में नरयावली के मकरोनिया में मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह में 1119 जोड़ों को वर्चुअली शामिल होकर आशीर्वाद दिया।

सभी पेट्रोल पंपों पर 10 मई से डिजिटल पेमेंट बंद

नई दिल्ली। देश भर में जहां डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं एक बड़ा फैसला महाराष्ट्र के नागपुर से सामने आया है, जिसने रोजाना पेट्रोल पंप पर जाने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मोबाइल स्कैन कर पेट्रोल भरवाने वाले वाहन चालकों के लिए अब मुश्किल खड़ी होने वाली है, क्योंकि नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर डिजिटल पेमेंट बैन कर दिया गया है। विदर्भ पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने ऐलान किया है कि 10 मई से नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर डिजिटल पेमेंट को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इसका सीधा मतलब है कि अब पेट्रोल या डीजल भरवाने के लिए आपको कैश लेकर जाना जरूरी होगा, वरना आपको ईंधन नहीं मिलेगा। फिलहाल लोग पेटीएम, गूगल पे, फोनपे, कार्ड आदि के जरिए भुगतान करते हैं, लेकिन यह सुविधा कुछ ही दिनों में बंद हो जाएगी। पेट्रोल पंप संचालकों ने पहले से ही ग्राहकों को सतर्क करना शुरू कर दिया है।

भोपाल में 2 दिन की AI वर्कशॉप: सरकारी सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर चर्चा

भोपाल। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में गुरुवार को दो दिवसीय कार्यशाला 'एआई भारत मध्य प्रदेश' शुरू हुई। कार्यशाला में प्रदेश की नीतियों और टेक्नोलॉजी सेक्टर से जुड़े विशेषज्ञों और आईएएस अधिकारियों ने सरकारी सेवाओं में एआई के उपयोग पर चर्चा की।

यह भी बताया गया कि मध्य प्रदेश उन कुछ राज्यों में से एक है जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर तेजी से काम हो रहा है। इसके साथ ही आधार में प्री-डॉक्यूमेंट फाइलिंग और फेस डिटेक्शन जैसी तकनीकों को शामिल करने पर भी काम किया जा रहा है।

यह दो दिवसीय कार्यशाला 9 मई तक चलेगी। इस दौरान में डिजिटल टेक्नोलॉजी, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सुरक्षा और आधार से जुड़ी नवाचार परियोजनाओं पर भी विशेष सत्र रखे गए हैं। कार्यशाला में आईएएस आशीष वशिष्ठ, म.प्र. राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम, आईएएस संजय दुबे अपर मुख्य सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और

सौरभ मंडल डीआरडीओ, वैज्ञानिक-एफ समेत कई अधिकारी मुख्य वक्ता मौजूद रहे।

भारत का पहला SD-WAN राज्य नेटवर्क- कार्यशाला में बताया गया कि मध्य प्रदेश ने डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारत का पहला SD-WAN आधारित राज्य नेटवर्क बनाया है। यह नेटवर्क समाधान पूरे राज्य में सरकारी कार्यालयों को जोड़ने, डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है।

इसके साथ ही कार्यशाला में मध्य प्रदेश साइबर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम में भी बताया गया, जो राज्य में डिजिटल सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। साथ ही साइबर हमले या सुरक्षा में गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई करती है।

मध्य प्रदेश आईटी पार्क केंद्र- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा तकनीकी नवाचार और डिजिटल इंडिया अभियान को सशक्त बनाने के लिए राज्य में आईटी पार्क केंद्रों की स्थापना की गई है। इन पार्कों का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना, आईटी उद्योग को बढ़ावा देना, और राज्य को एक डिजिटल हब के रूप में विकसित करना है।

कमाल का भोपाल' और फ्यूचर रेडी भोपाल अभियान का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया- उधर, क्रेडाई ने भोपाल को एआई व फ्यूचर टेक्नोलॉजी का ग्लोबल केंद्र बनाने के लिए 'कमाल का भोपाल' अभियान और फ्यूचर रेडी भोपाल का प्रस्ताव राज्य सरकार को सौंपा है। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेल की 2240 एकड़ भूमि पर इंटेलिजेंस ड्राइवन क्लसचर बनाने का प्रस्ताव भी भेजा गया है। इस पर क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक ने कहा कि 1990 के दशक में हम आईटी क्रांति में पीछे रह गये थे। लेकिन अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमें नहीं चूकना है।

सरोजिनी नायडू गर्ल्स कॉलेज में 2 घंटे के भीतर अस्थाई अस्पताल बनाकर मरीजों को दिया उपचार

आपातकालीन स्थिति में चिकित्सा सेवाओं के लिए हुई मॉकड्रिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन में आकस्मिक चिकित्सा स्थितियों से निपटने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा जिला प्रशासन के निर्देशन में 7 मई को मॉक ड्रिल की गई। सरोजिनी नायडू गर्ल्स कॉलेज में आयोजित मॉक ड्रिल में 59 चिकित्सक एवं 50 से अधिक पैरामेडिकल एवं अन्य स्टाफ शामिल हुए। पहली मॉक ड्रिल शाम 4.00 बजे की गई। व्यवस्थाओं की पुख्ता तैयारियों के मद्देनजर शाम 7:00 बजे यहां पुन: मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान काल्पनिक एयर स्ट्राइक की स्थिति में घायल हुए मरीजों को यहां पर उपचार हेतु लाया गया। ब्लैकआउट के दौरान मरीजों को उपचार देने का अभ्यास भी किया गया।कॉलेज परिसर में बनाए गए अस्थाई अस्पताल में आकस्मिक चिकित्सा इकाई, इनडोर पेशेंट इकाई, आकस्मिक चिकित्सा उपकरण, क्रैश कार्ट, ऑक्सीजन सिलेंडर, इमरजेंसी मेडिसिन, ट्रायएज, लेबोरेट्री जांच की व्यवस्था की गई। इस दौरान 108 एम्बुलेंस के न्यूनतम समय में मूवमेंट को भी देखा गया। मॉक ड्रिल के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी, अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती अर्चना शर्मा, एडिशनल कमिश्नर ऑफ़ पुलिस श्री चंद्रकांत पांडेय सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सरोजिनी नायडू कन्या महाविद्यालय में बनाए गए अस्थाई अस्पताल में जिले के विभिन्न स्थानों पर हुई मॉक ड्रिल के डमी मरीज रेफर होकर उपचार के लिए पहुंचे। कॉलेज परिसर में स्थापित अस्पताल में ग्रीन , येलो , रेड एवं ब्लैक ट्रायएज बनाए गए। ग्रीन ट्रायएज सामान्य आघात, येलो ट्रायएज में मध्यम गंभीर और रेड ट्रायएज में अति गंभीर मरीजों को शिफ्ट कर उपचार दिया गया। इस दौरान चिकित्सकीय प्रोटोकॉल के अनुरूप उपचार देने का अभ्यास किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि मॉक ड्रिल में आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों का मूल्यांकन किया गया । जिसके तहत स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी को मिनिमम रिस्पांस टाइम में सुनिश्चित किया गया है। एंबुलेंस, ऑक्सीजन की आपूर्ति, मानव संसाधन लॉजिस्टिक , उपकरणों की क्रियाशीलता की परख की गई। विभाग 24 घंटे अलर्ट मोड पर है। आपातकालीन स्थिति होने पर जिले के अन्य स्थानों पर न्यूनतम समय में अस्थाई अस्पताल बनाए जा सकेंगे।

आतंकवाद पर कड़ा प्रहार, केक काटकर मनाया जश्न और फौजियों को किया सम्मानित

यंग क्लब ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए एयरफ़ोर्स का किया आभार

संत हिरदराम नगर। पहलगाम में आतंकियों द्वारा 28 भारतीय पर्यटकों की मौत से गुस्साए लालघाटी यंग क्लब के सदस्यों ने कुछ दिन पूर्व अभी नहीं तो कभी नहीं नाम से पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ़ प्रतीकात्मक अनूठा प्रदर्शन किया था। अब जब 7 मई को इण्डियन एयरफ़ोर्स की मुस्लिम और हिंदू महिला अधिकारियों के साथ विदेश सचिव ने जैसे ही सुबह 1:44 बजे इण्डियन एयरफ़ोर्स द्वारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुज्जफराबाद, कोटली, भिम्बर, सियालकोट, मुदिरके और मरकज सुबहानअल्लाह में हुए जवाबी हमले की पुष्टि की वैसे ही पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी तारतम्य में लालघाटी यंग क्लब के सदस्यों ने ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तानी आर्मी चीफ और पाकिस्तान फ्लैग, पीओके के तबाह क्षेत्र, अतंकवादी छपा केक काटकर जश्न मनाया एवं फ़ौजियों को सम्मानित भी किया। भारतीय सेना का आभार मानते हुए आनंद सबधाणी ने कहा कि आज का जश्न हमारे फ़ौजी भाइयों को समर्पित है, आतंकियों के आकाओं को हम यहाँ से पैग़ाम देना चाहते हैं, कि ज़रूरत पड़ी तो देश का एक-एक युवा हाथों में हथियार लेकर पाकिस्तान की ओर कूच करने में देरी नहीं करेगा ऑपरेशन सिंदूर के जश्न में आनंद सबधाणी, पवन मिश्रा, तेजपाल सोड़ी, विवेक अवस्थी, रवि आनंद, राजेंद्र कुमार, दीपिका वाधवानी सहित कई लोग मौजूद थे।

विश्व थैलेसीमिया दिवस

षटकर्म के अभ्यास से अच्छे स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है: योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि प्रतिवर्ष 8 मई को संपूर्ण विश्व में थैलेसीमिया दिवस मनाया जाता है । थैलेसीमिया रक्त संबंधी बीमारी है जो कि अनुवांशिक है । बचपन से ही यह रोग बच्चों में होता है और इसलिए उन्हें बार-बार ब्लड बैंक ले जाना होता है । इस बीमारी में खून की बहुत कमी होने लगती है इसलिए बच्चों को बाहरी खून देना होता है । खून के कमी से मरीज के शरीर में हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता है । इसी बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष इस दिन को मनाया जाता है । थैलेसीमिया होने पर सर्दी-जुकाम बना रहता है, शरीर बीमार सा लगता है, सांस लेने में तकलीफ महसूस होना, शरीर में कमजोरी और दर्द बना रहना, दांतों का बाहर की ओर निकलना, उम्र के अनुसार शारीरिक विकास न होना, शरीर का पीला पड़ना, उदासी बने रहना । यह सभी थैलेसीमिया के ही लक्षण हैं ।

योग गुरु अग्रवाल ने इस अवसर पर बताया कि षट्कर्म करना मतलब छह प्रकार के शुद्धिकरणों की क्रिया करना - धौति, बस्ती, नेति, लौलिकी (जिसे नौली भी कहा जाता है), त्राटक और कपालभाति। षट्कर्म शरीर को शुद्ध करते हैं। हालाँकि, उनका उद्देश्य न केवल शारीरिक शुद्धि है, बल्कि आंतरिक शुद्धि भी है। जब शरीर शुद्ध होता है, तो आंतरिक विकार दूर होते हैं और अच्छे स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। इस तरह की शुद्धि के बिना शरीर योग के उच्च अभ्यासों के लिए तैयार नहीं होगा। शुद्धिकरण के बाद मनुष्य इस पृथ्वी पर अधिक समय तक जीवित रहता है। उपनिषदों और वेदों में कई स्थानों पर यह कहा गया है कि मनुष्य सौ वर्षों तक जीवित रहता है, जीवम शारदं शतम। यह केवल वेदों, उपनिषदों या प्राचीन दर्शनों की सोच नहीं है, यह सत्य है। यदि मनुष्य स्वस्थ और रोगमुक्त रहता है तो सौ वर्ष या उससे अधिक समय तक जीवित रहना स्वाभाविक है। कोशिकाओं की सटीक अनुवांशिक प्रतिलिपि उस समय तक जारी रह सकती है यदि प्रोग्रामिंग अशुद्धियों या असंतुलन से बाधित नहीं होती है। खराब स्वास्थ्य का मूल कारण शरीर में अशुद्धियाँ हैं जो विकार पैदा करती हैं। अशुद्धता का अर्थ केवल अपशिष्ट पदार्थ नहीं है, बल्कि शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक अशुद्धता है। शारीरिक अशुद्धता मुख्य रूप से आहार, उसके गुणों और दोषों से संबंधित है। उदाहरण के लिए, भोजन का समय अक्सर इस पर आधारित नहीं होता है कि शरीर के लिए सबसे अच्छा क्या है। बहुत से लोग देर से उठते हैं, दस बजे नाश्ता करते हैं, दो बजे दोपहर का भोजन करते हैं और रात को आठ से नौ बजे के बीच रात का खाना खाते हैं। इसके अलावा, भोजन में कई अशुद्ध तत्व होते हैं, जिनमें कृषि में उपयोग किए जाने वाले उर्वरकों और कीटनाशकों के अवशेष शामिल हैं। इस तरह की अशुद्धियों को आहार से पूरी तरह से हटाया नहीं जा सकता है क्योंकि अधिकांश लोग भोजन खरीदने पर निर्भर करते हैं, लेकिन निश्चित रूप से भोजन के समय में कुछ समायोजन शरीर की प्राकृतिक दिनचर्या के अनुसार किया जा सकता है। परिणाम स्वास्थ्य में सुधार होगा। वैदिक परंपरा इस बात पर जोर देती है कि भोजन सूर्योदय के बाद और सूर्यास्त से पहले किया जाना चाहिए, लेकिन आज लोग इस तरह की सोच में विश्वास नहीं करते हैं या इस सलाह का पालन नहीं करते हैं, हालांकि जैन अभी भी सख्त आहार अनुशासन का पालन करते हैं। सूर्योदय से पहले या सूर्यास्त के बाद क्यों नहीं खाना चाहिए? शरीर के बायोरिदम से जुड़े इस सिद्धांत के पीछे एक वैज्ञानिक कारण है। सौर जाल पाचन तंत्र से जुड़ा होता है और सूर्य द्वारा सक्रिय होता है। इस महत्वपूर्ण तथ्य को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए। यह बताता है कि इस सरल नियम का पालन करना बीमारी से मुक्त रहने का पहला कदम क्यों है।

अश्विनी केवट और संजना प्रजापति ने बनाई मैरिट लिस्ट में जगह

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा 10वी और 12वी, का ऐतिहासिक परिणाम घोषित किया गया । यह पिछले 15 सालों का सबसे बेहतर परिणाम है, जिसमें 10वी 76.22 का परिणाम और 12वी 74.48 का परिणाम रहा। इसमें एलाइट स्कूल ग्रीन पार्क की छात्रा अश्विनी केवट पिता मुकेश कुमार केवट ने 10वीं इंग्लिश मीडियम में 7वीं रैंक 98.8 प्रतिशत (494/500) और संजना प्रजापति पिता ओम प्रकाश प्रजापति ने 10वीं इंग्लिश मीडियम मे 97.6 प्रतिशत, (488/500) हासिल करके प्रदेश और स्कूल का नाम रोशन किया। शाला के प्रिंसिपल और टीचिंग स्टाफ ने बधाई दी।

सेवा सदन की भारती जनियानी यंग सिस्टम लीडर्स अवार्ड-2025 से सम्मानित

संत हिरदराम नगर। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की वरिष्ठ प्रबंधक भारती जनियानी को काठमाण्डू, नेपाल में यंग सिस्टम लीडर्स अवार्ड-2025 से सम्मानित किया गया। भारती को यह अवार्ड नेत्र सुरक्षा के क्षेत्र में सामुदायिक नेत्र चिकित्सा सेवाओं के लिये अद्वितीय उपलब्धियां अर्जित करने के फलस्वरूप दिया गया है। भारती को यह अवार्ड इंटरनेशनल एजेंसी फॉर प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस यू.के. लंदन द्वारा दिया गया। भारती ने काठमाण्डू में अंधत्व नियंत्रण के क्षेत्र में लैंगिक समानता विषय पर अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि वेश्विक समुदायों में महिलाओं की सशक्त भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि सभी के लिए नेत्र स्वास्थ्य में स्थायी और सार्थक परिवर्तन लाने के लिये सभी वर्गों की महिलाओं को आगे आना होगा।

हमारी सेना ने बेटियों के सिंदूर का बदला आतंकियों को मिट्टी में मिलाकर लिया: रामेश्वर शर्मा

भोपाल। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा है कि देश की जनता ने जो चाहा था, देश की तीनों सेनाओं- वायु सेना, थल सेना और जल सेना ने मिलकर जो जवाब दिया है। भारत के प्रधान सेवक ने कहा था कि जिन आतंकवादियों ने भारत के नागरिकों को धर्म पूछ कर मारा है उन्हें मिट्टी में मिला देंगे। आज भारत की सेना ने दुनिया को बता दिया कि हम अपने नागरिकों की, अपने देश के प्रति हमेशा तैयार और सजग हैं। भारत के नागरिकों से कोई बदतमीजी करेगा, तो उसे तुम मुंहतोड़ जवाब देंगे । तुमने धर्म पूछ कर बेटियों का सिंदूर उजाड़ा था ना, हमने ऑपरेशन सिंदूर चला कर उस सिंदूर का बदला लिया है। हमें हमारे नागरिकों को खोने का गम जिंदगी भर रहेगा, तुमने निर्दोष नागरिकों को उनकी पत्नी, उनकी मां, उनकी बेटी के सामने मारा और धर्म पूछ कर मारा। अब यह ऑपरेशन सिंदूर इस बात का जवाब है कि, यह सिंदूर इतना स्वाभिमानी और इतना ताकतवर है यदि यह शपथ ले ले तो दुर्गा और चंडी बनकर बोलता है। हमारी देवी ने पहले भी राक्षसों का वध करने के लिए हथियार उठाए थे और आज भारत की सेना ने आतंकवादी रूपी राक्षसों का खात्मा करने के लिए नौ ठिकाने तबाह किए हैं। आगे और भी तबाह किए जाएंगे। इस कार्रवाई हेतु भारत के प्रधानमंत्री जी को भारत की जनता की ओर से लख-लख बधाई और धन्यवाद। सेना को बधाई, भारत के स्वाभिमान को बधाई, सभी राजनीतिक दलों को खूब धन्यवाद । एकता के साथ लगे रहिए। आज भारत के स्वाभिमान की, भारत के झंडे की बात है। इस झंडे के नीचे सब खड़े रहेंगे, जब यह झंडा आसमान में फहराएगा तो हम इसके नीचे खड़े होकर राष्ट्रगान करेंगे। इसलिए हम सब एकता के स्वर में एक साथ खड़े होकर जो आतंकवादी ठिकानों को सेना ने नष्ट किया है उनको बधाई देते हैं। और सेना से अपील करेंगे कि जो बचे हैं उनपर भी कार्रवाई करें। यह स्वाभियान की लड़ाई है, बेटी के सिंदूर की लड़ाई है। और जब तक दुश्मनों का खत्मा नहीं होगा तब तक ये लड़ाई जारी रहेगी।

एलवीएस स्कूल की छात्रा ने सफलता का परचम लहराया

भोपाल। एलवीएस स्कूल की छात्रा आदिति गुप्ता ने जिला स्तर की मैरिट सूची में कक्षा 10 वी में सेंकड स्थान किया हासिल। छात्रा ने कक्षा 10 वी 98त्न प्रतिशत अंक हासिल कर जिले की मैरिट सूची में जगह बनाई। गांधीनगर स्थित एलवीएस स्कूल व परिजनों का नाम किया रोशन। छात्रा की सफलता के लिए स्कूल प्रबंधक व टीचर्स ने दी बधाई।

लोक अदालत 10 मई को, वार्ड और जोन कार्यालयों में लगेंगे शिविर

भोपाल। सदस्य सचिव राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मध्यप्रदेष में शनिवार, 10 मई को नेषनल लोक अदालत का आयोजन निर्धारित किए जाने के तारतम्य में उक्त दिनांक को नगर निगम, भोपाल के सभी जोन एवं वार्ड कार्यालयों में नेशनल लोक अदालत शिविरों का आयोजन किया जाएगा और नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आदेष में निहित निर्देषों अनुसार सम्पत्तिकर व जलदर के अधिभार में शासन द्वारा निर्धारित शर्तों के अधीन छूट प्रदान की जाकर सम्पत्तिकर/जलदर के प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने नेशनल लोक अदालत षिविरों हेतु व्यापक तैयारियां सुनिश्चित करने और देयक/मांग पत्र तामील कराने एवं नेशनल लोक अदालत शिविर आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार कर संपत्तिकर, जलउपभोक्ता प्रभार आदि के बकायादारों से बकाया राशियों की शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही आम नागरिकों से अपील की कि वह अपने सम्पत्तिकर एवं जलदर से संबंधित प्रकरणों के अधिभार में दी जा रही छूट का लाभ उठाए और अपने जोन/वार्ड कार्यालय पर सम्पत्तिकर/जलदर के प्रकरणों का निराकरण कराए लोक अदालत में सम्पत्तिकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर एवं अधिभार की राषि 50 हजार रुपये बकाया है उन्हें मात्र अधिभार में 100 प्रतिषत की छूट दी जाएगी जबकि 50 हजार से अधिक एवं 1 लाख रुपये तक बकाया राषि पर केवल अधिभार में 50 प्रतिषत तक की छूट एवं 1 लाख रुपये से अधिक की राषि बकाया होने पर मात्र अधिभार में 25 प्रतिषत की छूट दी जाएगी। इसी प्रकार जलकर (जल उपभोक्ता प्रभार) के ऐसे प्रकरण जिनमें कर एवं अधिभार की राषि 10 हजार रुपये तक की राषि बकाया है ऐसे प्रकरणों में अधिभार में 100 प्रतिषत की छूट दी जाएगी।

महिला पॉलीटेक्निक में स्वास्थ्य शिविर संपन्न, किशोरियों को मिली स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज शिवाजी नगर में स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल एवं सबका सहारा सोशल वेलफेयर सोसाइटी एवं भोपाल ऑब्सटेट्रिक्स एंड गाइनेकोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित इस शिविर में किशोरवय स्वास्थ्य पर जानकारी दी गई। स्वास्थ्य शिविर में डॉ. पुष्पा देवी, डॉ. आकांक्षा यादव , नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती अदिति कुशवाहा, श्रीमती जार्जिना मंडलोई, मल्टीटास्क वर्कर श्री दीपक चौहान, श्री मनोज चंद्रवंशी, ए एन एम सुश्री पूनम वर्मा, सुश्री भानुप्रिया ने सेवाएं दी। शिविर में विषय विशेषज्ञों द्वारा एनीमिया की रोकथाम के लिए उचित खान-पान, आयरन फोलिक सप्लीमेंट्स के उपयोग, मासिक धर्म स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य पर परामर्श दिया गया। शिविर में 102 किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर से एनीमिया का स्तर, उच्च रक्तचाप एवं अन्य बीमारियों की जांच की गई। शिविर में 53 आभा आईडी एवं 6 आयुष्मान कार्ड बनाए गए। शिविर आयोजन में डॉ. अभिजीत देशमुख, डॉ. प्रिया चित्तावर, डॉ. आभा जैन एवं कॉलेज प्रबंधन द्वारा विशेष सहयोग दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि किशोरी बालिकाओं में एनीमिया के स्तर की जांच एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का परीक्षण किया गया। आयरन फोलिक एसिड सेवन के लाभ एवं तरीकों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई।

टैगोर कला केन्द्र के प्रणति पर्व में रेनीवृन्द की अनूठी प्रस्तुति

भोपाल। आनंद लोके मंगल लोके... मोर वीणा ओठे कोन शूरे बाजि... जोदी तोर डाक शुने केउ ना आशे तोबे एकला चालो रे...। बांग्ला की सोंधी खुश्बुओं और मीठी धुनों में लरजते ये तराने जब एक साथ कई आवाज़ों में गूँजे तो वैशाख की तपिश मानो सुकून में बदल गयी। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के मुक्तधारा सभागार में प्रणति पर्व का यह सुरीला समागम गुरुदेव की जयंती पर भावभीनी श्रद्धा का प्रतीक बना।

टैगोर विश्व कला एवम् संस्कृति केन्द्र के संयोजन में रची इस सभा को रेनी वृन्द के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से यादगार बना दिया। प्रेम, प्रकृति और प्रार्थना का संदेश देता रवीन्द्र संगीत अनायास ही श्रोताओं के ओठों पर भी थिरक उठा। वृन्दगान के लिए समर्पित रंगकर्मी रीना सिन्हा के निर्देशन तथा संगीतकार मॉरिस लाजरस तकनीकी के समन्वय में यह प्रस्तुति साहित्य और संगीत का अनूठा प्रयोग बनीं। बतौर अतिथि उपस्थित आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रभारी राजेश भट्ट ने कहा कि भारत को राष्ट्रगान की महान संपदा सौंपने वाले गुरुदेव का बहुआयामी रचना संसार आज सारी दुनिया के लिए मनुष्यता का संदेश है। टैगोर प्रतिभा के महासागर थे। आरएनटीयू की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने टैगोर के कृतित्व पर केन्द्रित महत्वपूर्ण दस्तावेज़ी परियोजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने रवीन्द्र संगीत पर केन्द्रित एक राष्ट्रीय कार्यशाला की घोषणा भी की। कुलपति डॉ. आरपी दुबे ने नई शिक्षा नीति और टैगोर के प्रयोगों के परस्पर समान दृष्टिकोण को अपने वक्तव्य में रेखांकित किया। टैगोर कला केन्द्र के निदेशक तथा वरिष्ठ कला समीक्षक विनय उपाध्याय ने टैगोर की सांस्कृतिक विरासत और रवीन्द्र संगीत के कलात्मक आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सांस्कृतिक सभा का आरंभ गुरुदेव की प्रतिभा पर सामूहिक पुष्पांजलि से हुआ। इस अवसर पर गुरुदेव के गीतों पर एकाग्र नृत्य नाटिका की बहुरंगी सचित्र पुस्तिका 'गीतांजलि' का लोकार्पण भी किया गया। आईसेक्ट प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तिका की परिकल्पना और आलेख रचना विनय उपाध्याय ने की है। आवरण आकल्पन मुदित श्रीवास्तव ने किया है जबकि तकनीकी संयोजन अमीन उद्दीन शेख का है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी भी विशेष रूप से उपस्थित थीं। प्रणति पर्व का समापन टैगोर रचित राष्ट्रगान से हुआ।

एक दिवसीय प्रवास पर आए इंद्रेश कुमार से तिब्बत मंच के पदाधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार से संविदा कार्यालय गोपाल मैं। भारत तिब्बत सहयोग मंच के प्रांत मंत्री राधे महाराज ने की सौजन्य भेंट। राधे महाराज ने बताया भारत तिब्बत सहयोग मंच पच्चीस बरसों से कैलास मानसरोवर एवं तिब्बत की आजादी की लड़ाई लड़ रहा है जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनजागरण अभियान के माध्यम से कार्य।किया जा रहा है इंद्रेश जी ने कार्यकर्ताओं को संकल्पित करते हुए कहा शिव। मंदिरों में जाकर भगवान शिव जी। का अभिषेक एवं वृक्षारोपण के माध्यम से जनजागरण चलाएं और तिब्बत की आज़ादी कैलाश। मानसरोवर की मुक्ति के लिए भारत सरकार ध्यान आकर्षित करें जिसमें भोपाल जिलाध्यक्ष नितिन दुबे। एवं महिला विभाग मंत्री स्मिता अग्रवाल सहित अन्य संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

त्वरित टिप्पणी - सांध्यप्रकाश

जी. के. छिब्बर

धैर्य , दूरदृष्टि ओर सेना के कौशल की सफलता ऑपरेशन सिंदूर

22 अप्रेल की पहलगाव आतंकी घटना से देश की जानता विचलित थी इसके बदले का इंतजार कर रही थी तुरंत कार्यवाही चाहती थी लेकिन त्वरित एक्शन लिया जाना आसान नहीं होता इसके लिए सूझबूझ और दिर्धकालीन रणनीति की सोच होना आवश्यक है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्दबाजी में दबाव में कोई कार्यवाही नहीं करते परंतु कठोर कदम लेने में संकोच भी नही करते और उसका संकेत भी दे देते है ऑपरेशन सिंदूर उनकी कुशल राजनैतिक इच्छा शक्ति का परिणाम है

ऑपरेशन सिन्दूर के सफल निष्पादन पर दुनिया चकित है 35 मिनिट में भारत की थल सेना जल सेना और वायु सेना के संयुक्त अभियान में पाकिस्तान के नो आतंकवादी ठिकानों को 24 अचूक मिसाइलों से नेस्तानबुत करने का कोई उदाहरण कही इतिहास में नहीं मिलता भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को सलाम करना चाहिए।

ऑपरेशन सिन्दूर से यह संदेश भी दिया है की भारतीय नारी के सम्मान को चुनौती देने का परिणाम कितना भयानक हो सकता है और यह उन सवाल उठाने वाले नेताओ को भी तमाचा है जो सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक और सवाल उठाते रहे है राफेल का मखौल उड़ा रहे थे अब तो पाकिस्तान ही स्वीकार कर रहा है चित्र दिखा रहा है जो भी पहले स्वीकार नहीं करता था अब सवाली गैंग को भी सुधर जाना चाहिए।

देश में जब कुशल नेतृत्व है और शक्तिशाली सेना हो तो हमे गर्व करना चाहिए सीमा पार आतंकवाद का निपटारा तो कर देंगे परंतु हमे देश के भीतर छुपे हुवे गद्दारों से भी निपटना है जिन्हे सरंक्षण मिलता है आशा है उनका भी इलाज शीघ्र होगा।

जिस पुलिस अफसर ने डकैतों को मारा उसे 15 अगस्त को वीरता पुरस्कार दें

भोपाल। केंद्र सरकार को एक अवमानना याचिका पर हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने आदेश दिया कि जिस पुलिस अफसर ने डकैतों को मुठभेड़ में मारा, उसे 15 अगस्त को वीरता पुरस्कार दिया जाए। हाई कोर्ट ने गत दिसंबर में पुरस्कार देने के आदेश दिए थे, लेकिन सरकार ने इसका पालन नहीं किया। इस पर यह अवमानना दायर की गई थी। 24 जून 2003 को 22 साल पहले ग्वालियर जिले में पुलिस अफसर विवेक सिंह ने डकैतों का एनकाउंटर किया था। इस बहादुरी पर उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक 'वीरता पुरस्कार' देने की अनुशंसा की गई थी। लेकिन, मामला केंद्र सरकार के पास अटक गया। कई सालों तक निराकरण नहीं होने पर उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। इसमें केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि राज्य सरकार द्वारा गृह मंत्रालय की गाइड लाइन के मुताबिक तय समय में यह प्रस्ताव नहीं भेजा था, इसलिए मामला लंबित है। राज्य सरकार द्वारा पेश जवाब में कहा गया था कि नियम के अनुसार घटना के एक वर्ष के भीतर 18 दिसंबर 2003 को ही प्रदेश सरकार केंद्र सरकार को अनुशंसा भेज चुकी थी। केंद्र और राज्य सरकार के तर्क सुनने के बाद हाई कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए भारत सरकार को निर्देशित किया कि वह यह सुनिश्चित करे कि याचिकाकर्ता को एक महीने के भीतर वीरता पुरस्कार मिले।याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट मृगेंद्र सिंह ने तर्क रखे थे। चार माह बीतने के बाद भी आदेश का पालन नहीं हुआ, तो अवमानना दायर की गई थी।

आईजी ने कर दिया पीएचक्यू के पावर का ट्रांसफर, पीएचक्यू ने किया निरस्त

भोपाल। मध्य प्रदेश में रीवा के आईजी गौरव राजपूत द्वारा किए गए एक तबादला आदेश को पीएचक्यू ने निरस्त कर दिया। पीएचक्यू का मानना है कि यह तबादला एसपी स्तर का था और उन्हें ही इसका अधिकार था। आईजी ने यह तबादला आदेश कर राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए बनाई गई स्थानांतरण नीति 2025 की कंडिका क्रमांक 8 के प्रावधान का उल्लंघन किया है। पीएचक्यू के स्पेशल डीजी प्रशासन में इस आदेश को अब निरस्त कर दिया है। उन्होंने अपने आदेश में लिखा है कि आईजी रीवा जोन के कार्यालय द्वारा 1 मई 2025 को एक ट्रांसफर आदेश जारी किया गया था। यह राज्य शासन द्वारा जारी स्थानांतरण नीति के अनुरूप नहीं होने से निरस्त किया जाता है। बताया गया है कि आईजी ने इस आदेश में एक सर्कुलर का संदर्भ देकर इसकी गलत व्याख्या की थी, इसलिए डीजी ने इस आदेश को निरस्त कर दिया है। मामले में डीजी प्रशासन में स्पष्ट कर दिया कि जिले में स्थानांतरण के अधिकार स्क्क के पास ही रहेंगे।

श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला अध्यक्ष जतिन मिंढोरे के पिता का निधन

भोपाल। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ भोपाल जिला अध्यक्ष जतिन मिंढोरे के पिता भगवान दास मिंढोरे का 78 वर्ष की उम्र में हृदय घात होने के कारण आज सुबह 11 बजे स्वर्गवास हो गया है उनका अंतिम संस्कार कोलार स्थित शमशान घाट में गुरुवार को 11 बजे होंगा। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संसाधन विभाग की वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की बैठक कर परियोजनाओं को दी मंजूरी

दो वृहद परियोजनाओं को मिली मंजूरी, बीपीसीएल पेट्रोकेमिकल परियोजना के लिए महुता घाट के डाउनस्ट्रीम में बनेगा बैराज

गोठड़ा से शनि मंदिर तक कान्ह नदी के दोनों तटों पर बनेंगे घाट एवं क्षिप्रा नदी के बाएं एवं दाएं तट पर शनि मंदिर से नागदा बायपास तक होगा घाटों का निर्माण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य की सभी विकास परियोजनाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के लक्ष्यों की प्राप्ति में गति लायी जाए और हर स्तर पर नियोजन की स्पष्टता हो। मुख्यमंत्री डॉ. ने कहा कि परियोजनाओं की सफलता का मूल मंत्र समर्पण, पारदर्शिता और समय प्रबंधन है। उन्होंने कहा कि अधूरी अथवा लंबित परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य में तेजी लायी जाए, जिससे जनहित में समय रहते लाभ पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में जल संसाधन विभाग की वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की 126 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी सहित जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में प्रदेश में चल रही विभिन्न वृहद परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को समुचित दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास के हर पहलू को प्राथमिकता दे रही है। सरकार के प्रयासों का जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिले, यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

इसके तहत वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 2 वृहद परियोजनाओं को मंजूरी दी। टर्न की पद्धति पर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) पेट्रोकेमिकल परियाजना के लिए महुता घाट के डाउनस्ट्रीम में बैराज एवं संबंधित कार्यों का निर्माण कराया जाएगा। विदिशा एवं सागर जिले में इस परियोजना के तहत 42.94 मिलियन घन मीटर जल संग्रहण क्षमता वाला बांध निर्माण किया जाएगा। कुल 229.78 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली इस वृहद परियोजना में 6.6 कि.मी. लम्बाई की पाइप लाइन बिछाने का काम, पम्प हाउस एवं इंटेकवेल के निर्माण सहित 1.25 मेगावाट के पम्प हाउस का निर्माण कार्य भी कराया जाएगा। यह सम्पूर्ण कार्य अगले 33 माह में पूरा किया जाएगा।

उज्जैन जिले के गोठड़ा से शनि मंदिर तक कान्ह नदी के दोनों ओर तटों पर घाटों का निर्माण (कुल लम्बाई लगभग 29.21 किमी) एवं क्षिप्रा नदी के बाएं एवं दाएं तट पर शनि मंदिर से नागदा बायपास तक घाट निर्माण कार्य एवं कान्ह नदी पर पंथ पिपलई, जमालपुरा, गोठड़ा स्टॉप डेम, पिपलिया राधौ बैराज नम, रामवासा बैराज नं. 2 का स्टॉप डेम का निर्माण कार्य एवं क्षिप्रा नदी पर किथोदाराव बैराज का निर्माण कार्य एवं उन्डासा और जस्ताखेड़ी तालाब का मरम्मत कार्य तथा दुर्गादास की छतरी के पास सीसी रोड का निर्माण कार्य किया जाएगा। कुल 593.62 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली यह वृहद परियोजना अगले 30 माह में पूरी

12 जिलों में 502 करोड़ की लागत से विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिला खनिज प्रतिष्ठान के तहत अर्जित फंड एक रिजर्व फंड है। इस फंड से जिलों के खनन प्रभावित क्षेत्रों में सार्वजनिक हित और सबके उपयोग के लिए स्थायी प्रकृति के ठोस काम ही कराए जाएं। काम ऐसे हों, जिसका लाभ अधिकतम लोगों को मिले। इस (डीएमएफ) मद से स्कूल भवन, अस्पताल, सामुदायिक भवन, औषधालय भवन, पशु चिकित्सालय/औषधालय, खेल मैदान सहित विशेष पिछड़े एवं कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की बसाहट क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार स्थायी श्रेणी के काम कराए जाएं। उन्होंने कहा कि अस्थायी प्रकृति के एवं मरम्मत आदि के काम संबंधित विभागों के विभागीय बजट से कराए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में जिला खनिज प्रतिष्ठान के भाग-ख के तहत हो सकने वाले विकास कार्यों की मंजूरी के लिए आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के खनन क्षेत्रों वाले जिलों में जिला खनिज प्रतिष्ठान से प्राप्त राशि में से 502 करोड़ रूपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों को सैद्धांतिक स्वीकृति दी। इस निर्णय से खनन प्रभावित क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के विकास एवं उन्नयन कार्य किए जा सकेंगें। सैद्धांतिक मंजूरी मिलने के बाद अब जिला खनिज प्रतिष्ठान से प्रदेश के डिण्डौरी, शहडोल, अनूपपुर, बड़वानी, दमोह, छिंदवाड़ा, सिवनी, अलीराजपुर, शिवपुरी, सागर, रीवा, बैतूल आदि जिलों में विभिन्न श्रेणी के विकास कार्य कराए जाएंगे।

वन भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल का आवंटन निरस्त, ब्लॉक का सम्पूर्ण तल वन विभाग को आवंटित

भोपाल। वन भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल एजेंसी द्वारा लोक परिसम्पत्ति विभाग को सौंपे गये थे। लोक परिसम्पत्ति विभाग द्वारा वन भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल संस्थाओं को आवंटित किये गये थे, उनका आवंटन निरस्त कर ई-ब्लॉक का सम्पूर्ण तल वन विभाग को आवंटित करने के आदेश राज्य शासन द्वारा जारी कर दिये गये हैं। आदेश मंत्रि-परिषद के निर्णय दिनांक 22 अप्रैल, 2025 के अनुक्रम में जारी किया गया। वन भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल वर्तमान एजेंसी द्वारा संस्?थाओं से राशि प्राप्त कर आवंटित किये गये थे। इनमें प्रथम तल मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल, श्रम कल्याण मण्डल भोपाल, मध्यप्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार मण्डल को स्थान आवंटित किया गया था। द्वितीय तल में मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और तृतीय तल में मध्यप्रदेश स्टेट माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड को स्थान आवंटित किया गया था। इन संस्थाओं को आदेश अनुसार कुल 56 करोड़ 67 लाख की राशि वापस की जायेगी।

शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार की उचित व्यवस्था करना सरकार का संकल्प: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

बोर्ड परीक्षा में प्रवीण्य सूची में आने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं एवं देश की प्रगति के ये आधार हैं। इनको उचित मार्गदर्शन दें और अच्छा स्वास्थ्य देकर आंगे बढ़ाएं ताकि वे पढ़-लिखकर देश, प्रदेश का नेतृत्व करें।उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार की उचित व्यवस्था करना सरकार का संकल्प है। हम स्कूल, अस्पताल को मंदिर जैसा पवित्र बनाएं। बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए उन्होंने कहा कि, ऊंचाई पर पहुंचना आसान होता है परन्तु ऊंचाई पर बने रहना कठिन। इसके लिए सतत प्रयास करते रहें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जिस प्रकार बोर्ड परीक्षा की प्रवीण्य सूची में बेटियों ने बाजी मारी है इसी प्रकार आज देश में बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बीना में माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा में प्रदेश की प्रवीण्य सूची में आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विद्यार्थियों को असफलता से नहीं डरना चाहिए क्योंकि असफलता ही सफलता की ऊंचाइयों पर ले जाती है और अपना परचम फहराती है। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में देश में पहला स्थान रखने वाली शक्ति दुबे का उदाहरण देते हुए कहा कि शक्ति दुबे ने चार बार यूपीएससी परीक्षा में असफल होने के बाद भी हार नहीं मानी और पांचवीं बार में देश में पहले नंबर पर आकर अपना नाम, अपने परिवार, अपने प्रदेश का नाम रोशन किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा देश में जल जीवन मिशन के माध्यम से जो अभियान चलाया जा रहा है इससे घर-घर

में पाइप लाइन के माध्यम से शुद्ध पेयजल प्राप्त होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भारत का भविष्य बेहतर और सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि प्रदूषित पानी बीमारी की जड़ होता है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत हम सभी जल को संरक्षित और जल स्त्रोतों का संवर्धन करने का कार्य करें और शुद्ध पेयजल का सेवन करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुम्बल खान, अभय कुर्मी, धैर्यचौबे, नमन राय, गौरव राठौर, विद्या यादव, श्वेता कुर्मी, भूमिका ठाकुर, साक्षी, आदित्य राय, प्रिंसी, यशोदा, मयंक को फूलमाला पहनाकर, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती पूजन एवं वंदना की गई। विधायक श्रीमती निर्मला सप्रे कलेक्टर श्री संदीप जी आर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं जनसमुदाय उपस्थित था।

टेलीमेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराए: शुक्ल

उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सागर ज़िले के बीना अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर टेली मेडिसिन के माध्यम से जिला चिकित्सालय एवं बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ डॉक्टरों से परामर्श लें एवं संबंधित पीड़ित व्यक्ति की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा कराकर, स्वास्थ्य परीक्षण करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सौ बिस्तरों वाले अस्पताल की सभी अनापत्तियां पूर्ण कर शीघ्र कार्य शुरू करने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अस्पताल के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि अस्पताल में आने वाले व्यक्तियों का अच्छे से अच्छा स्वास्थ्य परीक्षण हो इसके लिए सभी डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ समय पर अस्पताल में मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विकास खंड मेडिकल अधिकारी की नियुक्ति के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में पर्याप्त मेडिसिन की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाये। विधायक श्रीमती निर्मला सप्रे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

सागर को पानीदार बनाएं, जल स्रोतों को करें पुनर्जीवित: उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री एवं सागर ज़िले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सागर को पानीदार सागर बनाएं। पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का कार्य करें। सागर का जैसा नाम है वैसा इसका काम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान में बुंदेलखंड सहित सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में जल संरक्षण, संवर्धन का कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल सागर जिले के बीना में जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाब के जीर्णोधार कार्यक्रम में शामिल हुए।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आज की सुबह गौरव वाला प्रकाश लेकर आई है जब हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं सेना के जवानों ने हमारे देश की बहन बेटियों का सिंदूर छीनने वाले आतंकवादियों के ठिकानों पर कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सेना को फ्री हैंड दिया और कहा कि आप कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि जो हमें छेढ़ेगा हम उसको छोड़ेंगे नहीं और आज यही किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सागर कलेक्टर संदीप जी आर ने सागर जिले में अभिनव काम किया है। उन्होंने तालाबों का सीमांकन कर मुंडेर बनवाकर अतिक्रमण हटाने का कार्य किया है एवं संपूर्ण राजस्व भूमि को राजस्व के रिकॉर्ड में दर्ज कराया है(

मप्र शिक्षक भर्ती पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, गेस्ट फैकल्टी को मिली राहत, विशेष परीक्षा पर ये कहा

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने हाल ही में मिडिल स्कूल शिक्षक भर्ती 2023 को लेकर एक अहम निर्णय सुनाया, जिसमें गेस्ट फैकल्टी को राहत दी गई है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गेस्ट फैकल्टी को दरकिनार नहीं किया जा सकता और विशेष परीक्षा आयोजित करने के आदेश दिए हैं। दरअसल, मप्र कर्मचारी चयन मंडल (स्क्क्क्स्क्क) ने गेस्ट फैकल्टी के लिए अनुभव प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में अनिवार्य कर दिया था। कई जिलों में प्रमाण पत्र जारी नहीं हो पाने के कारण, बड़ी संख्या में योग्य गेस्ट फैकल्टी आवेदन करने से वंचित हो गए थे।

गेस्ट फैकल्टी के लिए राहत- 2023-24 की शिक्षक भर्ती में पहली बार गेस्ट अनुभव प्रमाण पत्र को ऑनलाइन आवेदन में अनिवार्य दस्तावेज के रूप में जोड़ा गया था। लेकिन कई जिलों में प्राचार्य और संबंधित अधिकारी समय पर प्रमाण पत्र जारी नहीं कर पाए, जिससे अधिकांश योग्य गेस्ट फैकल्टी आवेदन से वंचित रह गए थे। इस संदर्भ में याचिकाकर्ताओं ने अधिवक्ता धीरज तिवारी और विकास मिश्रा के माध्यम से कोर्ट में यह दलील दी कि नियमों में बदलाव बिना पर्याप्त समय और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के लागू किए गए थे।

हाईकोर्ट का आदेश चयन प्रक्रिया रहेगी फैलले के अधीन

मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता में पारित आदेश में कहा गया कि ÷चयन प्रक्रिया इस याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। यदि याचिका स्वीकार की जाती है, तो राज्य शासन याचिकाकर्ताओं के लिए विशेष परीक्षा आयोजित करने हेतु बाध्य होगा।÷ यह आदेश न केवल एक कानूनी राहत है, बल्कि उन गेस्ट शिक्षकों के मनोबल को भी बल देता है जिन्होंने वर्षों तक अल्प वेतन पर सेवाएं दीं, और अब तकनीकी कारणों से भर्ती प्रक्रिया से बाहर किए जा रहे थे।

आकांक्षी-ब्लॉक योजना से खरगोन के झिरन्या में 63 तालाब होंगे पुनर्जीवित

भोपाल। प्रदेश में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन से 30 मार्च को किया था, जो 30 जून तक जारी रहेगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की नदियों, तालाबों, झीलों, पुराने कुओं, बावड़ियों और जलधाराओं को सहेज कर उन्हें पुनर्जीवन देना है। नदियों, नालों, तालाबों, कुओं और बावड़ियों एवं अन्य जल स्त्रोतों की गाद निकासी, सफाई, सीमांकन और पुनर्जीवन की कार्य योजना बनाई गई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को केन्द्रीय नीति आयोग की जल संरक्षण और सतत कृषि को बढ़ावा देने की पहल 'आकांक्षी-ब्लॉक' योजना से बड़ा लाभ मिला है। खरगोन जिले के झिरन्या को देश के 25 चिन्हित आकांक्षी ब्लॉक्स में शामिल किया गया है। झिरन्या में जल निकायों को पुनर्जीवित किया जाएगा। झिरन्या ब्लॉक के 63 तालाबों को चिन्हित कर मानसून से पहले उनका गहरीकरण और गाद निकासी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इससे वर्षा जल का अधिकतम संचयन संभव हो सकेगा और जल संकट से राहत मिलेगी। तालाबों से निकलने वाली उपजाऊ गाद किसानों को नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इससे खेतों की उर्वरता में सुधार होगा और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता में कमी आएगी। गाद को खेत तक ले जाने का व्यय किसान स्वयं वहन करेंगे। आकांक्षी-ब्लॉक परियोजना में आगा खान फाउंडेशन को तकनीकी सहयोगी के रूप में जोड़ा गया है। फाउंडेशन की जल निकाय प्रबंधन के क्षेत्र में विशेषज्ञता का लाभ भी परियोजना को मिलेगा। आप पानी बचाओ, पानी आपको बचाएगा। सरकार और समाज दोनों मिलकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जल संरक्षण के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचा सकते हैं। शहडोल में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले की समस्त जनपद पंचायतों, ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में नागरिक श्रमदान कर रहे हैं। शहडोल को घरौला मोहल्ला स्थित तालाब की सफाई और गहरी करण में स्व-सहायता समूह की जल मित्रों ने श्रमदान किया। छतरपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार एवं साफ सफाई की श्रृखला में जन अभियान परिषद की सहायता से पहाड़ गांव में ललई की बेर हनुमान जी के मंदिर प्रांगण में बनी बावड़ी की साफ-सफाई की गई। परिषद ने मंदिर प्रांगण में ही जन जागरूकता के लिए स्थानीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्रामीणों को जल गंगा संवर्धन अभियान के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

छिंदवाड़ा के तामिया विकासखंड में गांव छिंदी स्थित मां सीता रेवा नदी के उद्गम स्थल पर वैदिक मंत्रों से पूजा-अर्चना के बाद उद्गम कुंड की जन सहयोग से सफाई की गई।

संपादकीय

सेना ने किया रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन

आपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले करके भारतीय सेना ने न केवल पहलगाम हमले का कड़ा जवाब दिया, बल्कि दुनिया के सामने अपनी रणनीतिक क्षमता का कुशल प्रदर्शन भी कर दिया है। इस हमले के बाद भारत सरकार को कूटनीतिक कामयाबी भी मिलती दिखने लगी है। इस अभियान की रणनीति तीनों सेनाओं ने मिल कर बनाई थी। हालांकि पाकिस्तान शुरू से शोर मचा रहा था कि भारत कभी भी उस पर हमला कर सकता है और इसके मद्देनजर उसने अपनी सामरिक तैयारियां तेज कर दी थी। मगर भारतीय सेना ने इतनी कुशलता से हवाई हमले किए और इतने सटीक निशाने साधे कि उसे समझने का मौका भी नहीं मिल पाया। यह सेना और सरकार की बड़ी सूझबूझ है कि पाकिस्तान के किसी नागरिक, सैन्य और आर्थिक ठिकाने पर निशाना लगाने के बजाय सिर्फ आतंकी ठिकानों को लक्ष्य कर ध्वस्त किया गया। इस तरह दुनिया में किसी को इसके विरोध में कुछ कहने का मौका नहीं रह गया है। चीन तक समझ नहीं पा रहा कि भारत के इस कदम को कैसे गलत ठहराया जाए। हमले के तुरंत बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों के अपने समकक्षों को फोन कर हमले की जानकारी दी। इस तरह पाकिस्तान की कूटनीतिक घेराबंदी भी कर दी गई है। आपरेशन सिंदूर के तहत मुख्य रूप से पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालयों तथा आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर हमले किए गए। उसके प्रमाण भी दुनिया के सामने पेश किए जा चुके हैं। माना जा रहा है कि इस हमले में इन आतंकी संगठनों से जुड़े काफी लोगों की जान गई है। भारतीय सेना ने वहां के जिन नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए, उनमें से चार पाक अधिकृत कश्मीर में और बाकी उसके पंजाब प्रांत में स्थित थे। शायद पाकिस्तानी सेना को अंदाजा नहीं था कि भारतीय सेना पंजाब प्रांत के भीतर भी हमला कर सकती है। उसने इस हमले की प्रतिक्रिया में भारत की सीमा पर कुछ नागरिक ठिकानों पर हमले किए हैं, पर उससे उसकी बौखलाहट ही जाहिर होती है। वह कुछ दिन पहले तक नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी कर भारतीय सेना को ललकार और अपनी परमाणु ताकत का धौंस दे रही थी, अब उसे समझ नहीं आ रहा कि कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। दरअसल, उसे लग रहा था कि चीन का समर्थन मिलेगा और भारत उसके भय से दब जाएगा। मगर अब आतंकवाद के खिलाफ हमले पर चीन कैसे पाकिस्तान का समर्थन करेगा, देखने की बात होगी।

'आपरेशन सिंदूर' एक सार्थक पहल और सख्त संदेश

ललित गर्ग

पहलगाम आतंकी हमले में सुहागनों के सिन्दूर को उजाड़ने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए 'आपरेशन सिंदूर' की सफलतम कार्रवाई हर भारतीय के सीने को गर्व से भरने वाली है। बुधवार की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की कई सटीक, संयमित एवं नपी-तूली कार्रवाई पाकिस्तान को करारा सबक एवं सख्त संदेश है। निश्चित ही अब भारत की आत्मा पर होने वाले हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। 'आपरेशन सिंदूर' में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान में मौजूद 90 आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए की गई, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। भारत भीतर घूस कर मारता है, इस बार भी उसने बिना पाकिस्तानी सीमा में प्रवेश किये, आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया, जो बहुत सराहनीय कदम है, गौरवान्वित करने और जोश से भर देनेवाली साहसिक एवं अनूठी घटना है।

'आपरेशन सिंदूर' से आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में एक सार्थक पहल हुई है। शांति का आश्वासन, उजाले का भरोसा भारत से ही क्यों किया जाता है, कब तक हम अपनी मानवीयता एवं संवेदनशीलता को दर्शाते रहेंगे? इस बार समूचा देश एकजुट हुआ, उन्हें तो आतंक का माकूल जबाव चाहिए था, पाकिस्तान में पोषित हो रहे आतंकवाद के लिये कठोर कार्रवाई चाहिए थी। वायुसेना की इस कार्रवाई से न केवल भारत को बल्कि समूची दुनिया को राहत की सांसें मिली हैं। इस कार्रवाई से भारत ने पाकिस्तान को बेहद सख्त और निर्णायक संदेश दिया है कि अब आतंकवाद नहीं चलेगा। भारत ने किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम बरता है। नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइलों से हवाई हमला किया गया। ऑपरेशन को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाया था, पहलगाम में 26 हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्या के बाद, यह जवाब भारतीय बहनों एवं सुहागिनों के लिए एक उचित प्रतिशोध है, जिन्होंने बर्बर आतंकी हमले में अपने पतियों को खो दिया।

भारत के बदले की कार्रवाई का समय भी महत्वपूर्ण है। एयर स्ट्राइक एक हिंदू परिवार में मौत के बाद शोक के 13 दिन (तेरहवीं) के बाद हुई और हमारी बहनों एवं पीड़ितों को उचित न्याय मिला है। भारतीय वायु सेना द्वारा अपनी सीमा के भीतर से दागी गई सटीक मिसाइलों के माध्यम से मुजफ्फराबाद, कोटली, गुलपुर, भिमबर, सियालकोट, चक अमरू, मुरीदके और बहावलपुर में केवल ज्ञात और पहचाने गए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारत ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कुख्यात आतंकी मुख्यालय को नष्ट कर स्पष्ट संदेश दिया है। जैश-ए-मोहम्मद चीफ हाफिज सैयद द्वारा बनाया गया यह स्थान आतंक का केंद्र, प्रयोगशाली एवं नर्सरी बन गया था। आगे भी भारतीय सेनाएं किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार हैं। भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की बहानेबाजी एवं आतंकवाद को लगातार प्रोत्साहन एवं पल्लवन देने की स्थितियों को देखते हुए यह आवश्यक हो गया था कि उसे न केवल सबक सिखाया जाए, बल्कि यह संदेश भी दिया जाए कि भारत अब उसकी चालबाजी में आने वाला नहीं है।

यदि भारत ने पाकिस्तान और वहां पल-पल पनप रहे आतंकवाद को सबक नहीं सिखाया तो वे पुलवामा, उरी, पहलगाम जैसी दुखद घटनाओं को अंजाम देते रहेंगे, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सच्चे राष्ट्रभक्त एवं राष्ट्रनायक की भांति आतंकवाद की अनिर्णायक स्थिति में निष्पक्षता एवं कठोरता का पार्ट अदा किया हैं। अब तक हमने सदैव ÷क्षमा करो और भूल जाओ÷ को वरीयता दी है। यही कारण है कि आतंकवाद बढ़ता गया, आतंकवादी पनपते गये, निर्दोष लाशें बिछती रही। अब यह वक्त बताएगा कि पाकिस्तान कोई सही सबक सीखता है या नहीं, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि एयर स्ट्राइक से बिना उसकी सीमा में घुसे बड़े आतंकी अड्डे पर हमला करके यह बता दिया कि भारत के सहने की एक सीमा है, उसके धैर्य का बांध टूट गया है। पाकिस्तानी सेना की उन्मादी मानसिकता एवं विकृत सोच को हम जानते हैं कि वह अपनी गंदी चालों से बाज नहीं आयेगा। लेकिन भारतीय सैन्य बल के सामने वह टिक नहीं पाएंगे। इस बार भारत पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीयों ने भी मोदी सरकार के नेतृत्व के पीछे अभूतपूर्व एकता दिखाई है। जाहिर है कि पाकिस्तान बड़े-बड़े दावे करेगा और दुनिया के सामने विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश करेगा। लेकिन पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश मिल गया है भारत के साथ खिलवाड़ न करें। फिलहाल पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय मिल गया है। पाकिस्तान से आतंक की जड़ों को मिटाने का यह स्पष्ट और सार्थक कदम है।

पाकिस्तान ने संयम एवं इंसानियत को छोड़ दिया है, उसने मर्यादा और सिद्धान्तों के कपड़े उतार कर नंगापन को ओढ़ लिया है। पूर्वाग्रह एवं आतंकवादी अहंकार के कारण वह विवेकशून्य हो गया है। उसको एवं उसके द्वारा पोषित आतंकवाद को परास्त करना जरूरी हो गया था, उसको परास्त करने का अर्थ उसे काबू में कर सही रास्ते पर लाना नहीं बल्कि आतंकवाद नेस्तनाबूद करना है। अब भी यदि वह सबक नहीं सिखता है तो उसका संकट बढ़ सकता है। भारत युद्ध नहीं चाहता, लेकिन पाकिस्तान युद्ध की मानसिकता से ग्रस्त है। उसे यह भी समझ आना चाहिए कि परमाणु बम के इस्तेमाल की उसकी धमकियां अब काम आने वाली नहीं। हर आतंकवादी घटना मानवीयता को घायल करती है और हर ऐसी जलने वाली लाश का धुआं मानवता पर कालिख पोत देता है। लेकिन आतंकवाद के शमन का रास्ता खोल कर भारत ने दुनिया को भी आश्वस्त किया है कि अब आतंकवाद की दिन लद गये है। भारत की कार्रवाई इस दिशा में एक सार्थक पहल है जिसने आतंकवाद के पैर ले लिये हैं, उसे पंगु बना दिया है। यह निश्चित ही सम्पूर्ण मानवता के लिये उजली सुबह की आहत है। दरअसल, पाकिस्तान इसलिए अपनी आतंकी सोच बढ़ाता जा रहा था, क्योंकि उसे ठीक से कड़ा संदेश नहीं मिल रहा था। इस तरह उनकी हिम्मत बढ़ती गयी थी और उसने भारत में एक नहीं अनेक बार पहलगाम जैसी दर्दनाक घटनाओं को अंजाम दिया है। उनकी आतंकी योजनाओं को नाकाम करने की सख्त जरूरत पड़ी, ताकि आगे हम अपने और जवान न खोयें, निर्दोषों को मरते न देखें, अशांति को न झेले एवं भय को न जीये। भारत ने यह कर दिखाया है। तमाम आतंकी अड्डे को मटियामेट किया गया, वैसे तमाम अड्डे पाकिस्तानी सेना के संरक्षण और समर्थन से ही चलते रहे हैं। अभी तक पाकिस्तान ऐसे अड्डों को खत्म करने का दिखावा करने के साथ यह बहाना भी बनाता रहा है कि हम तो खुद ही आतंक के शिकार हैं। यह झूठ न जाने कितनी बार बेनकाब हो चुका है, किंतु पाकिस्तान बेशर्मी से बाज नहीं आता। सफल हवाई हमले को अंजाम देने के बाद भारत दुनिया को यह संदेश देने में भी कामयाब रहा कि उसने पाकिस्तान को निशाना बनाने के बजाय उसके यहां कायम आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। वायुसेना ने अपनी पराक्रम क्षमता और साहस का जो परिचय दिया, वह पाकिस्तान के साथ विश्व समुदाय को भी एक संदेश है। वह यह संदेश इसीलिए दे सकी, क्योंकि प्रधानमंत्री ने जरूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया। पाकिस्तान के मनोबल को तोड़कर ही आतंकवाद को परास्त किया जा सकेगा। अब पाकिस्तान को यह भय भी सताएगा कि उसकी ओर से भारत के खिलाफ कोई कदम उठाया गया तो उसे कहीं अधिक करारा जवाब मिलेगा। उस जबाव का अर्थ होगा पाकिस्तान के सम्मुख संकटों के पहाड़ खड़े होना, वहां की अर्थ-व्यवस्था ध्वस्त होना, जनजीवन का परेशान होना, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ना। भारतीय सेना को अब और भी ज्यादा मुस्तैद-सतर्क रहना होगा और बेहतर रणनीति के साथ तैयारी भी मजबूत रखनी होगी, ताकि पाकिस्तान की तरफ से अगर कोई जवाबी कार्रवाई होती है, तो उसका हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब दे सके।

तो मसूद की तरह मातम मनाएगा, मिट्टी में मिल जाएगा पाकिस्तान

कौशल किशोर चतुर्वेदी

4-3एक कहावत है कि 'लातों के भूत बातों से नहीं मानते'ज्पाकिस्तान और आसुरी प्रवृत्ति के देशों और लोगों के लिए यह बात सौ फीसदी सही है। और सभी युगों में यह बात सच साबित हुई है। त्रेता युग में राम-रावण युद्ध हो या द्वापर में कृष्ण-कंस और कौरव-पांडव युद्ध हो और अब कलियुग में भारत-पाक युद्ध ही सही, हर जगह पर आसुरी मानसिकता के लोग मिट्टी में ही मिले हैं। और पाकिस्तान के मामले में तो ऐसा लगता है कि पूरा देश ही राक्षसी मानसिकता से भरा पड़ा है। ठीक वैसे ही जैसे लंका में गैर आसुरी सोच के केवल विभीषण ही वास करते थे। तब हनुमान ने पूरी लंका जलाई थी, तो राम ने लंका की आसुरी आबादी को ही मिट्टी में मिला दिया था। वही हाल अब पाकिस्तान का है। 25 मिनट में नौ आतंकी अड्डे मिट्टी में मिले, तो पाकिस्तान को अपनी औकात का अंदाजा लग गया। तब समझ में आया कि परमाणु बम की धमकी से पाक खुद को बचा नहीं पाएगा। और उसके आका भी हाथ नहीं लगा पाएंगे, जब उसके कुकर्मों का हिसाब होगा। आतंक का आका मसूद अगर आज मातम मना रहा है तो कल पूरा पाक जब मिट्टी में मिलेगा, तब तो मातम मनाने के लिए भी कोई नहीं मिलेगा। और इस 'ऑपरेशन सिंदूर' ने धूर्तता से भरे पाक के राजनयिकों को यह जता दिया है कि एक चुटकी सिंदूर का अपमान पूरे पाकिस्तान को श्मसान बना सकता है।

फिलहाल भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तानी अधिकृत कश्मीर में हमला बोला है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकी सरगना मसूद अजहर के परिवार के 14 लोग भी इसमें मारे जाने की खबर सामने आई है। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त यह सख्त कार्यवाही की है। 22 अप्रैल को जब पाक समर्थित आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों का धर्म पूछकर घृणित और कायराना हरकत की थी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसी दिन विदेशी दौरा बीच में ही रद्द कर भारत लौटकर यह चेतावनी दी थी कि किए ती पूरी सजा मिलेगी। और उसके बाद पंद्रह दिन तक पूरी तैयारी के बाद 7 मई 2025 की रात को आतंकी मनसूबों को खाक करने के लिए पाक के 9 आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। इसमें 70 से ज्यादा आतंकियों के मारे जाने की खबर है। और बताया जा रहा है कि आतंकी सरगना मसूद अजहर के परिवार के 14 लोग भी इसमें मारे गए हैं। और आतंकी गुट जैश-ए-मोहम्मद के चीफ मौलाना मसूद अजहर ने कहा है कि भारत के मिसाइल हमले में उसके परिवार और दोस्तों की मौत हो गई है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने

7 मई को तड़के पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित सुभान अल्लाह मस्जिद परिसर पर चार मिसाइल दागीं। हमले में ये इमारत पूरी तरह तबाह हो गई है। इस हमले के बाद आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के चीफ मौलाना मसूद अजहर मौत की भीख मांग रहा है। इस आंतकी आका ने परिवार के लोगों की मौत पर रोते हुए कहा कि अगर वह भी मर जाता तो अच्छा रहता।

यह वही आतंकी सरगना है जिसने हजारों निर्दोषों को मौत के घाट उतारने के लिए आतंकी तैयार किए हैं। और मौतों पर अहंकार से भरा अट्टहास भी किया है। एयर स्ट्राइक ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना, थल सेना और नौसेना ने मिलकर पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। इसमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों के कैंप नष्ट किए गए हैं। यह वही मसूद अजहर है जिसका नाम 26/11 के मुंबई हमले में सामने आया था। वह आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का सरगना है। इस संगठन ने देश में कई हमले करवाए हैं। वह भारत में पांच साल तक जेल में रहा था। साल 1999 में एक अपहरण के बदले में भारत सरकार ने उसे रिहा कर दिया था। अजहर का नाम भारतीय संसद पर हमले की साजिश में भी आया था। और अब पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए इंडियन आर्मी ने पाकिस्तान के पंजाब में स्थित बहावलपुर ट्रेनिंग सेंटर को उड़ा दिया है। और अब पाकिस्तान को अहसास हो गया है कि उसके चौके में रखे परमाणु बम उसको ही नष्ट कर देंगे। भारत को धूर्तता भरे तरीकों से वह आघात पहुंचाने की साजिश कर सकता है, लेकिन भारत उसे मुंह तोड़ जवाब देने में सक्षम है। 1948, 1965, 1971 और 1999 में चार युद्धों की तरह अगर पांचवां सीधा युद्ध हुआ तो इस बार पाकिस्तान मिट्टी में मिल जाएगा और चीन सहित पाक का कोई आका उसे मदद करने के लिए आगे नहीं आ पाएगा। फिर पूरा पाकिस्तान, मसूद की तरह मातम मनाने को मजबूर होगाज।

कड़ा सबक़ सिखाया जाएगा, लेकिन अभी युद्ध की संभावना नहीं

रमण रावल

कश्मीर में आतंकवादी हमले को लेकर देश भर में तीव्रतर आक्रोश है। जन-जन का दिल कह रहा है कि पाकिस्तान को निपटा दिया जाये। आतंकवादियों के अड्?डे समाप्त कर दिये जायें, वगैरह-वगैरह। हालांकि, यह सब तात्कालिक आवेग है। जबकि जमीनी सच्चाई एकदम भिन्न है। इसका यह मतलब नहीं कि हम कमजोर हैं। सैन्य बल या संसाधन कम है। तैयारियां पर्याप्त नहीं है। फाइटर जेट,तोपें,मिसाइलें अपेक्षानुरूप नहीं हैं। हममें हिम्मत ही नहीं है। कहीं देश के भीतर अलग ही युद्ध न छिड़ जाये।

तो हमें यह जान लेना चाहिये कि इनमें से एक भी कारण सही नहीं है। हम हर तरह से सक्षम,संसाधन संपन्न,अस्त्र-शस्त्र से मजबूत और प्रभावी हैं। हमारी सेना जोश से भरी हुई है। हमारे लड़ाके दुनिया के बेहतरीन जवानों में गिने जाते हैं। फिर भी अभी तो हम युद्ध नहीं कर रहे। क्यों ? यह जानना जरूरी है।

किसी भी देश के साथ युद्ध छेड़ने के लिये केवल सैन्य क्षमता ही मायने नहीं रखती। समय और रणनीति का सक्षम होना बेहद आवश्यक है, अन्यथा मुंह की खानी पड़ सकती है। इसमें दो राय नहीं कि पाकिस्तान समर्थक आतंकवादियों ने पहलगाम में निर्दोषों की हत्या कर युद्ध भड़काने जैसे हालात ही पैदा किये हैं, लेकिन भारत जैसे विशाल देश का नेतृत्व अभी जिन हाथों में है, वे कोई भी ऐसा कदम नहीं उठायेंगे, जो बीच में वापस लेना पड़े। जिसका उचित निर्णय न हो। जो दूरगामी परिणाम न दे और जो विश्व समुदाय के समक्ष पूरी तरह से अपने फैसले को सही न ठहरा सके।

एक बात और है। पहलगाम हादसे के बाद पाकिस्तान ने जिस तरह की सैन्य तैयारियां कीं, 18 फाइटर जेट विमानों के बेड़े कराची से भारत की सीमा की ओर रवाना किये, एलओसी पर सेना का कूच हुआ और सरकार ने उच्च स्तरीय बैठकें कर योजनाओं व अंजाम पर चर्चा की। इससे वह बुरी तरह से उजागर हो गया कि वह इस आतंकवादी घटना का अंजाम या प्रतिक्रिया जानता था। इसीलिये उसने ताबड़तोड़ व्यवस्था की। इस तरह आतंकवादियों के साथ पाकिस्तानी सरकार व सेना का गठजोड़ उजागर हो गया। उसकी मंशा अपने आप जाहिर हो गई। निश्चित ही भारत सरकार की यह पहली बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक विजय है। पाकिस्तान की इस हड़बड़ी को विश्व समुदाय के सामने अलग से लाना भी नहीं पड़ेगा, क्योंकि ये खबरें तो तत्काल पूरी दुनिया में पहुंच गई कि पाकिस्तान तो युद्ध की तैयारी में लगा है। जबकि भारत ने ऐसा कोई संकेत ही नहीं दिया।

वैसे भी युद्ध जैसा फैसला देश की जनता को नहीं रणनीतिकारों को,सैन्य प्रमुखों को,गुप्तचर संस्थाओं को, दुश्मन देश के अंदर फैले अपने सूचना तंत्र से मिले संकेतों से,सहयोगी देशों के साथ परामर्श करके लेना पड़ता है। यह रातोरात नहीं होता। इसमें महीनों भी नहीं लगते, लेकिन बिना योजना के युद्ध जैसे कदम उठाने के नुकसान अनेक राष्ट्र अतीत में उठा चुके हैं। उसके सबक यही हैं कि युद्ध जब अपरिहार्य हो जाये, तब किया जाये और निर्णायक लड़ा जाये। जो परिणाम हम चाहते हैं,उसकी प्राप्ति तक लड़ा जाये। इसमें क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं,इसके प्रारंभिक आकलन किये जाते हैं। यह कोई आइसक्रीम नहीं है कि कहीं भी रुककर ले ली और फटाफट खा भी ली, नहीं तो पिघल जायेगी। युद्ध तो दहकता ऐसा अंगारा है, जिसे हाथ में लेकर दूसरे पर फेंका तो भी स्वयं का हाथ तो जलेगा ही,आपका बदन भी झुलस सकता है।

भारत की मौजूदा नरेंद्र मोदी सरकार के हक में यह बात तो जाती है कि वह कोई फैसले हड़बड़ी में नहीं करती। वह दूरगामी परिणामों का बखूबी आकलन करती है। फिर इस समय विश्व समुदाय स्वाभाविक तौर पर भारत के साथ है। संसद पर हमला,मुंबई पर हमला,पुलवामा हमला,पहलगाम हमले के परिप्रेक्ष्य में विश्व की सहानुभूति हमारे साथ है। दुनिया देख रही है कि भारत आतंकवाद से सर्वाधिक प्रभावित राष्ट्र है, जिसने बेहद आत्म संयम बरतते हुए गिने-चुने मौकों पर आक्रामक पलटवार किया है। करगिल युद्ध की यादें भी ताजा हैं, जब सर्वथा शांति काल में पाकिस्तान में हम पर हमला बोल दिया था। जिसका जबरदस्त जवाब हमने दिया भी।

इसलिये भारत कुछ बड़ा करेगा,अवश्य करेगा, सही समय पर करेगा। प्रधानमंत्री ने पहले भी पुलवामा हमले के बाद बोला था-हम इसका जवाब देंगे। समय भी हम तय करेंगे और स्थान भी हम ही तय करेंगे। हमने वैसा ही किया भी। इसलिये भारत की जनता को आश्वस्त रहना चाहिये कि पहलगाम हादसे को दोहराने का दुस्साहस आतंकवादी व उसके पाकिस्तानी सरगना कभी न कर सकें,वैसा कुछ भारत सरकार करेगी ही। उसे समय दे,उस पर विश्वास रखें। केवल भावनाओं में बहकर या विपक्ष के इस उकसावे से प्ररित होकर सरकार,सेना पर युद्ध का दबाव न डाले कि वह तो बस अगली फ्लाइट पकड़ कर इस्लामाबाद रवाना हो और घेर-घार कर आतंकवादियों व पाकिस्तान के सेना प्रमुखों को बंदी बनाकर ले आये। यदि ऐसा कभी हुआ तो हमें निश्चिंत रहना चाहिये कि इस बार बंदी सेना को मुफ्त में छोड़ा तो नहीं जायेगा।

बाक़ी कुछ बचा तो दवाई मार गई

राकेश दुबे

देश के नागरिक गंभीर व असाध्य रोगों के महंगे इलाज की वजह से गरीबी की दलदल में डूब रहे हैं । कोरोना संकट के दौरान भी लोगों द्वारा घर, जमीन व जेवर बेचकर अपनों की जान बचाने की कोशिश की खबरें मीडिया में तैरती रही। सामान्य दिनों में दवा कंपनियों की मिलीभगत व दबाव में लिखी जाने वाली महंगी दवाइयां भी गरीबों को टीस दे जाती हैं। इसके बावजूद कि बाजार में उसी साल्ट वाली गुणवत्ता की जेनेरिक दवा सहज उपलब्ध है। कुछ समय पहले केंद्र सरकार की ओर से जेनेरिक दवाइयां लिखने की अनिवार्यता के निर्देश का अच्छा-खासा विरोध हुआ, जिसके चलते निर्णय वापस लेना पड़ा था। अब इसी चिंता को देश की शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्त किया है।

बीते शुक्रवार को दवा कंपनियों की मुनाफाखोरी के कारोबार से बढ़ती दवाओं की कीमतों के बाबत एक मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि डॉक्टर केवल जेनेरिक दवाइयां ही लिखना प्रारंभ कर दें, तो दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है। निस्संदेह, तरह-तरह के प्रलोभन व परोक्ष-अपरोक्ष लाभ देकर दवा कंपनियां चिकित्सकों पर महंगी दवा लिखने का दबाव बनाती हैं। जिसकी कीमत उन लोगों को चुकानी पड़ती है, जो महंगी दवा खरीदने की क्षमता नहीं रखते। ऐसे में वे कर्ज लेकर या अपने रिश्तेदारों से मदद लेकर किसी तरह गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीजों का इलाज कराते हैं। इस खर्च के दबाव के चलते परिजनों को भी तमाम कष्ट उठाने पड़ते हैं। गाहे-बगाहे सरकारों ने दवा कंपनियों की बेलगाम मुनाफाखोरी रोकने को कदम उठाने की घोषणाएं तो कीं, लेकिन समस्या का सार्थक समाधान नहीं निकल पाया।

चिकित्सा बिरादरी की तरफ से भी यदि इस दिशा में सहयोग मिलने लगे तो इस समस्या का समाधान किसी सीमा तक संभव हो सकता है। विडंबना है कि ऐसा हो नहीं पा रहा है। एक संकट यह भी है कि दवा कंपनियों द्वारा प्रचार किया जाता है कि जेनेरिक दवाइयां रोग के उपचार में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं होती।

सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि जेनेरिक दवाइयों को प्रोत्साहन देने के उसके प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ते। एक वजह यह भी है कि दवा कंपनियों की लॉबी खासी ताकतवर होती है और साम-दाम-दंड-भेद की नीति का उपयोग करके अपने उत्पादों का विपणन करने में सफल हो जाती है। ऐसे आक्षेपों से चिकित्सा बिरादरी भी दोषमुक्त नहीं हो सकती, जो दवा कंपनियों के लोभसंवरण से मुक्त नहीं हो पाती। सरकारों को देखना चाहिए कि दवा कंपनियों द्वारा पोषित कदाचार पर नियंत्रण के प्रयास जमीनी हकीकत क्यों नहीं बन पाते। यदि ये कदम सख्ती से उठाए जाएं तो गरीब मरीज गंभीर रोगों का उपचार करने में सक्षम हो पाएंगे। फिर उनके अपनों का इलाज उनकी क्षमता के अनुरूप हो सकेगा। निस्संदेह, लंबे उपचार व असाध्य रोगों के इलाज में दवाओं की कीमत एक प्रमुख घटक होता है। यदि दवा नियंत्रित दामों में मिल सके तो उनकी बड़ी चिंता खत्म हो सकती है।

दवाओं की कीमत हमारी चिकित्सा सेवाओं के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सरकार को चाहिए कि गांव से लेकर शहरों तक जेनेरिक दवाओं के मेडिकल स्टोर बड़ी संख्या में खोले जाएं। मरीजों के तिमारदार उन तक आसानी से पहुंच सकें। इस काम में स्वयं सेवा समूहों की मदद ली जा सकती है ताकि गरीब-अनपढ़ मरीजों को जागरूक करके जेनेरिक दवाइयों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके। मरीजों के परिजनों को विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि जेनेरिक दवाइयां भी उसी साल्ट से बनी होती हैं, जिससे महंगी ब्रांडेड दवाइयां बनी होती हैं।

चिकित्सा बिरादरी का भी फर्ज बनता है कि वे अपने ऋषिकर्म का दायित्व निभाते हुए गरीब मरीजों को अधिक से अधिक जेनेरिक दवाइयां लिखना शुरू करें। यह उनके लिये भी पुण्य के काम जैसा होगा। लेकिन एक बात तो तय है कि सरकार असरकारी व समान गुणवत्ता की जेनेरिक दवाओं की बिक्री व सहज उपलब्धता के लिये युद्धस्तर पर प्रयास करे। साथ ही सूचना माध्यमों व स्वयं सेवी संस्थाओं की मदद से जागरूकता अभियान भी चलाए।

1971 का युद्ध और हम बच्चे

प्रलय श्रीवास्तव

मैं 7 साल की उम्र में 1970 में परिवार के साथ नरसिंहपुर से भोपाल आया था। जब भोपाल धीरे धीरे विकास की रफ्तार पकड़ रहा था। पिताजी स्व. श्री सत्य नारायण श्रीवास्तव यहां पूर्व से नूर महल रोड स्थित स्थानीय एक प्रमुख अखबार में संपादक थे ।मां हम बच्चों को लेकर भोपाल शिफ्ट आ गई थी नरसिंहपुर से । जहां हमारा दाखिला पहली कक्षा में विद्या विहार स्कूल प्रोफेसर कॉलोनी में हुआ था।

प्रोफेसर कॉलोनी में रहने के दौरान ही दिसंबर 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध छिड़ गया था । युद्ध की परिभाषा हम बच्चे नहीं जानते थे । बस इतना मालूम था कि ऊपर से हवाई जहाज निकलेगा और बम बरसयेगा। अखबारों को पढ़ने की भी ललक हममें नहीं होती थी। जब युद्ध शुरू हुआ तब बस आकाशवाणी और अखबार ही सहारा थे। चूंकि पिता पत्रकारिता में थे, देर रात घर लौटते थे। इसलिए अगली सुबह घर पर भी इन विषयों पर चर्चा होती थी। जब युद्ध अपने चरम पर था तब अंधेरा होते ही सायरन बजता और ब्लैक आउट होने लगता । सायरन बजते ही सारे घरों की बिजली लाइट बंद कर दी जाती थी। क्योंकि हम बच्चे थे हमें कुछ समझ में नहीं आता था तब खेल-खेल में हम कभी लाइट जला दिया करते थे। पुलिस गश्त करती थी । प्रोफेसर कॉलोनी जहां हम रहते थे, वह पत्रकारों , प्राध्यापकों की कॉलोनी थी। जहां पुलिस जब कभी राउंड लगाती थी। पुलिस की गश्त ने एक बार देखा कि हमारे घर ई- 134/1 पत्रकार सत्यनारायण श्रीवास्तव के घर के एक कमरे में लाइट जल रही है। वह हम लोगों से तो कुछ नहीं बोले लेकिन वायरलेस से थाने और वहां से प्रेस में पिताजी को खबर की जाती कि आपके घर में लसित जल रही हैं। चूंकि घर में फोन नहीं था, जब पिताजी देर रात लौटते तब डांटते कि थे तुम लोग लाइट क्यों जलाते हो ,बंद रखा करो। डांट फटकार पड़ने के बाद हम लाइट बंद रखते । मुझे अभी भी याद है कि उस समय नूर महल रोड स्थित जिस अखबार में पिताजी काम किया करते थे, उसका लैंडलाइन फोन नंबर 2785 था । तब टेलीफोन भी चार अंको में हुआ करते थे। घर में राशन सामग्री जुटा ली जाती थी। स्कूल- कॉलेज की छुट्टी हो जाती थी तो हम बच्चे दिन भर घर में मस्ती करते थे । युद्ध के तनाव से बेपरवाह होकर पड़ोसी बच्चों के साथ खेला करते थे । शहर में शांति छाई रहती। घर के सामने रविंद्र भवन था, जहां के कार्यक्रम रद्द हो गए थे। संचार तंत्र सीमित होने से छन छन के खबरें हम लोग तक आती थी। कभी आकाशवाणी से सुना करते थे कि ताजमहल को भी बोरों से ढक दिया गया है ,क्योंकि ताजमहल रात के उजाले में अधिक चमकता है और उसे पर हमला होने की संभावना थी। इसलिए ताजमहल को ढक दिया जाता था । ऐसा हम लोगों को अभी भी याद है। दिल्ली में विशेष सतर्कता बरती जाती। जैसे जैसे इस युद्ध में भारत ने अपनी ताकत दिखाई और जीत हासिल की, वैसे-वैसे भारत के सभी शहरों में देशभक्ति की मस्ती छा गई थी। हम लोग भी हर्ष ध्वनि से ÷भारत जिंदाबाद÷ के नारे लगाते हुए सड़कों पर आ गए थे। हम बच्चे थे, हमको बस इतना ही मालूम था कि हम जीत गए और हम लोगों ने बहुत जश्न मनाया। सड़कों पर खुशी मनाई । स्कूल खुलने पर भी काफी खुशी मनाई गईकि अपना भारत जीत गया । भारत के जितने के बाद रेलों से सैनिकों का लौटना शुरू हो गया था। मेरे पड़ोस में वरिष्ठ पत्रकार और माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रिकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व महानिदेशक श्री राधेश्याम शर्मा (अब स्वर्गीय) रहते थे । उनकी धर्मपत्नी काफी सक्रिय और सच्ची देशभक्त थी । जब भारतीय सैनिक युद्ध से लौट रहे थे तब वे मुझे लेकर भोपाल रेलवे स्टेशन सैनिकों के स्वागत के लिए गई थी। उनके हाथों में संतरों , सेव ,कैले से भरी टोकरी थी। शर्मा आती के साथ मैं दिनभर भोपाल के रेलवे स्टेशन पर रहा। जो भी ट्रेन, जिसमें सैनिक लौट रहे थे, हम लोगों ने उन्हें फल वितरित किए और सेल्यूट मारकर उनका अभिवादन किया। ट्रेन थोड़ी देर रूकती थी ,सैनिकों ने भी हाथ मिलाकर और मुझे पुचकार के उत्साह बढ़ाया और सहर्ष फल स्वीकार किये। काफी संख्या में भोपाल के स्वयंसेवी संगठन भी रेलवे स्टेशन पर तैनात थे। इसके बाद के दौर में अनेक देशभक्ति की फिल्में आई। मनोज कुमार ने पूरब और पश्चिम तो एक फिल्म बांग्लादेश पर बनी। जिसमें बंगलादेश के तत्कालीन प्रधानमंत्री मुजीबुर्रहमान का रोल संभवतः आई. एस.जौहर ने निभाया था। जैसा मुझे याद है उस समय जो भी नई फिल्में आती थी, पत्रकारों के लिए उसका प्रीमियर शो होता था और हम लोगों को निमंत्रण पत्र प्राप्त हो जाते थे। उन फिल्मों का हम बच्चों ने भी पूरा लुफ्त उठाया था । इसके बाद शायद केंद्र या राज्य सरकार द्वारा भदभदा डिपो चौराहा स्थित पहाड़ी पर रात्रि में युद्ध पर आधारित शो हुआ करता था, जिसका शीर्षक था ÷बढ़ते कदम÷। भदभदा पहाड़ी पर लाइट का फोकस डाला जाता है और सैनिकों के साहस की गाथा को नाट्य रूप में प्रस्तुत किया जाता। काफी संख्या में भोपाल के लोग उस नाट्य प्रस्तुति को देखने पहुंचते थे।

लगभग तीन से चार घंटे की प्रस्तुति के बाद हम देशभक्ति की भावना से सराबोर होकर घर वापस लौटते । पाकिस्तान पर जीतड्ढ के बाद भी काफी महीनो तक भारत में जश्न मनाया जाता रहा। जिसमें सभी वर्ग और समाज के लोग शामिल हुए थे। भारतीय सेना की मुक्त कंठ से तारीफ की जाती थी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

झाबुआ में पुलिस जनसंवाद के अब तक 29 कार्यक्रम हुए,लोगों को किया जा रहा जागरुक

भोपाल। झाबुआ पुलिस इन दिनों जिले के नागरिकों के पास पहुंच कर उनसे सीधा संवाद कर रही है। रविवार तक जिले में जनसंवाद के 29 आयोजन हो चुके हैं, जबकि पुलिस अधीक्षक पदमविलोचन शुक्ला ने 30वें आयोजन की भी तैयारी कर ली है। जो नेगड़िया व जायड़ा गांव में होगा। एसपी पदमविलोचन शुक्ला ने बताया कि जनसंवाद के माध्यम से लोगों को उनके कर्तव्य के प्रति जागरुक करने के साथ ही उनके साथ सुरक्षा, शिक्षा, यातायात नियम, सामाजिक कुरीतियां, साइबर अपराध, महिला संबंधी अपराधों के संबंध में विस्तार से चर्चा की जाती है। इस कार्यक्रम में जो लोग समस्या लेकर आते हैं, उसका भी मौके पर ही निराकरण करवाया जाता है। इसमें बताया जाता है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, पुलिस तत्परता से कार्यवाही की जाएगी। अपराध मुक्त समाज बनाने के लिए पुलिस और आमजन का सहयोग आवश्यक है। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरे के महत्व को भी बताया जा रहा है। कार्यक्रम में बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

ब्लॉक टॉपर बनी आमला की ललिता साहू, 89.8 प्रतिशत प्राप्त किये

सांध्य प्रकाश आमला। संदीपनी विद्यालय आमला की छात्रा ललिता साहू ने हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम 2025 में आमला विकासखंड में शीर्ष स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। ललिता ने कक्षा 12वीं में बायोलॉजी संकाय से 500 में से 449 अंक हासिल कर 89.8 प्रतिशत के साथ ब्लॉक टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया है। ललिता साहू ग्राम तोरणवाड़ा निवासी खेमु साहू और शोभा साहू की सुपुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और गांव में खुशी का माहौल है। ललिता की इस सफलता पर शिक्षकों और परिजनों ने उसे बधाई दी है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर दे रहा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

रतलाम । सरस्वती शिशु विद्या मंदिर काटजू नगर रतलाम विद्यालय विगत 55 वर्षों से शिक्षा के व्यवसायीकरण से हटकर संस्कार युक्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा न्यूनतम रूप से प्रदान कर रहा है। अत्यंत हर्ष का विषय है कि मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षाओं में सरस्वती शिशु मंदिर काटजू नगर रतलाम का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। कक्षा 10ह्व्द्ध में 59 भैया-बहिन सम्मलित हुए। जिसमें 54 प्रथम व 02 द्वितीय स्थान पर रहे। इस तरह से 94.9 1 प्रतिशत रिजल्ट रहा। इसी प्रकार 12वीं में 42 भैया - बहन सम्मिलित हुए जिसमें 31 प्रथम 09 द्वितीय स्थान पर रहे। इस प्रकार 95.23 प्रतिशत रिजल्ट रहा। कक्षा 12वीं से 14 भैया - बहनों का लैपटॉप हेतु चयन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सखलेचा , सचिव शैलेंद्र सुरेका, उपाध्यक्ष जवाहर चौधरी, सुनील लाठी, कोषाध्यक्ष मनीष सोनी, धीरज व्यास एवं समस्त समिति परिवार, प्राचार्या वत्सला रूनवाल व सभी आचार्य दीदी ने भैया बहनों की उक्त सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

गोल्डन कैरी स्कूल मंडीदीप में प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। मंडीदीप गोल्डन कैरी पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 12वीं की छात्रा निधि शिंदे को जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय की ओर से 25,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा नेता राजेंद्र अग्रवाल ने विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित कर पूरी ईमानदारी से कार्य करने की प्रेरणा दी। प्राचार्य सुधांशु अजमेरा ने छात्रों को बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के टिप्स दिए। संस्था संचालक देवेंद्र अजमेरा ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर से आश्वस्त कि नया भारत अब दुश्मन को घर में घुसकर मारेगा

सांध्य प्रकाश बैतूल। ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक कर भारत ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों को ढेर कर दिया। पहलगाम में पर्यटकों की निर्मम हत्या के बाद पूरा देश सरकार के एक्शन की रास्ता देख रहा था। आखिर 15 दिन बाद सरकार ने तीनों सेनाओं के माध्यम से ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान को सबक सिखाया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब पूरा देश आश्वस्त हो गया है। कि यह नया भारत है। और दुश्मन के घर में घुसकर मारता है। एयर स्ट्राइक के बाद आज देश की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सैनिकों के साथ कारगिल युद्ध बाद से रक्षाबंधन का पर्व मनाने वाली बैतूल सांस्कृतिक सेवा समिति एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के अलावा गणमान्य नागरिकों ने सैनिकों की हौसला अफजाई के लिए केक काटकर सेना की हौसला अफजाई की। संस्था अध्यक्ष एवं सोल्जर्स सिस्टर गौरी बालपुरे सहित सरहदी बहनों ने केक कटिंग के बाद एक दूसरे को सिंदूर लगाकर शुभकामनाएं दी। और देश के जवानों के शौर्य और पराक्रम की सराहना की।

दीप्ति शुक्ला संग टीम ने नाबालिग का विवाह रुकवाया

सांध्य प्रकाश इटारसी । एक परिवार द्वारा नाबालिग लड़की का विवाह करवाने से महिला एवं बाल विकास कि कार्यकर्ता और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर विवाह रुकवाया। यह मामला तब हुआ जब इटारसी महिला एवं बाल विकास विभाग को नाबालिग के विवाह होने की जानकारी मिली। पुलिस संग महिला बाल विकास की टीम तुरंत विवाह स्थल वाले घर पर पहुंचे जहां विवाह की रस्मों को रुकवाया। कार्रवाई के दौरान महिला एवं बाल विकास अधिकारी दीप्ति शुक्ला, सामाजिक कार्यकर्ता मनीष ठाकुर, पार्षद मनीषा ठाकुर ,आशुतोष अग्रवाल, सहित पुलिस मौजूद थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लड़की की उम्र 18 वर्ष से कम थी, जो कि भारत में विवाह निर्धारित उम्र से कम है। टीम ने लड़की और उसके परिवार को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए समझाया और उन्हें कानून का पालन करने के लिए प्रेरित किया। इस मामले से पता चलता है कि प्रशासन बाल विवाह को रोकने के लिए सक्रिय है और ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर रहा है। यह उन लोगों के लिए एक संदेश है जो बाल विवाह करने की योजना बनाते हैं तो उन्हें कानून का सामना करना पड़ेगा।

विधायक ने दी पड़रिया और कदवां वासियों को 159 लाख के विकासकार्यो दी सौगात

छतरपुर। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यो की कोई कमी नही छोड़ूंगी। जनता की समस्या का समाधान एक सेवक के रूप में कर रही हूं यह उद्गार छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने ग्राम पड़रिया और कदवां में 159 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यो के लोकार्पण और भूमि-पूजन के अवसर पर कही। छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव के ग्राम पड़रिया में बच्चों के लिए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के लिए 1 करोड़ 23 लाख रुपए की लागत से बनने बाली बिल्डिंग का भूमि-पूजन के साथ ही 6 लाख की लागत से बनी पुलिया का लोकार्पण किया। छतरपुर विधायक ललिता यादव ने ग्राम कदवां में बंसल समाज के लिए 5 लाख की लागत से बनने वाले समाज भवन के लिए भूमि-पूजन के साथ ही 3 लाख की लागत से अहिरवार समाज के समाज भवन के लिए ब्राउण्ड्रीबाल, राईपुरा में शारदा माता मंदिर के लिए 5.62 लाख की लागत से ब्राउण्ड्रीबाल एवं 10 लाख 38 हजार की लागत से राईपुरा में आवागमन सुलभ बनाने के लिए सीमेंट कांक्रीट रोड का भूमि-पूजन किया।

100 करोड़ की लागत से बांदकपुर में भव्य कॉरिडोर बनेगा

दमोह। जिले के बांदकपुर धाम में कॉरीडोर निर्माण को लेकर भूमि पूजन के उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 9 मई 25 को आगमन हो रहा है। इसी के मद्देनजर आज प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, पूर्व वित्तमंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया तथा भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे की मौजूदगी में एक पत्रकार वार्ता स्थानीय मंगलम् होटल में संपन्न हुई। इस दौरान जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने मीडियाजनों से चर्चा करते हुये बताया प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का आगमन 9 मई को बांदकपुर जागेश्वरधाम की भूमि में भूमि पूजन के लिये हम सबके बीच में पधार रहे है, प्रथम चरण का काम 9 मई के बाद शुरू होगा। इसमें लगभग 10 करोड़ की राशि से कॉरीडोर का कार्य यथा मुख्य प्रवेश द्वार, सुगमता क्षेत्र, व्यवसायिक दुकानें, गौ-शाला, हवन क्षेत्र, पाथ-वे एवं लैण्ड स्कैप आदि कार्य होंगे। दूसरे चरण में मौजूदा भवन का नवीनीकरण, मंदिर परिसर एवं मंदिर के बाहर क्षेत्र में कार्य कराये जायेंगे। कॉरीडोर 5 चरणों में पूरा होगा और निश्चित रूप से 100 करोड़ का भव्य कॉरिडोर आने वाले समय में बन के तैयार होगा।

संस्कृति राज्यमंत्री लोधी ने बताया मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आगमन अपरान्ह 3.30 बजे के लगभग प्रस्तावित है, फाइनल कार्यक्रम 1-2 दिन पहले आ जायेगा। लगभग 30 मिनट का समय वहाँ पर पूजा पाठ, अभिषेक के लिए और उसके बाद 1 घंटे का कार्यक्रम सभा स्थल कुल मिलाकर 1.30 घंटे का कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम में अभिलिप्सा पांडा जो विश्व प्रसिद्व भजन गायिका हैं, वह भी हमारे इस कार्यक्रम में संस्कृति विभाग की ओर से प्रस्तुति देगी।

पूर्व वित्तमंत्री व वर्तमान दमोह विधायक जयंत मलैया ने कहा लगभग 3.30 बजे के आसपास मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का बॉदकपुर जागेश्वरनाथ में आगमन होगा और मुख्यमंत्री डॉ. यादव बॉदकपुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेगें।विधायक जयंत कुमार मलैया ने कहा पंचम नगर, सीतानगर, सतधरू के बाद बांदकपुर लोक बनेगा, इस बार मैने अपने संकल्प पत्र में भी लिखा था, सरकार बनते ही सबसे पहले सरकार ने बादकपुर लोक का निर्माण कार्य शुरू करवाया हैं। अयोध्या, काशी, बनारस आदि इस तरह की जगहों पर निर्माण होने के बाद पर्यटन बढ़ा हैं, बांदकपुर लोक बनने के बाद निश्चित ही यहां पर भी पर्यटन बढ़ेगा। पूर्व वित्त मंत्री दमोह विधायक जयंत मलैया प्रदेश सरकार के संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे,भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमन खत्री, जिला मीडिया प्रभारी राघवेन्द्र सिंह परिहार, जिला मीडिया सह प्रभारी महेन्द्र जैन मंचासीन थे ।

कोटगेट क्षेत्र में क्षत्रिग्रस्त मकानों में रह रहे लोगों को करेंगे बाहर , एसडीएम

सिरोंज। नगर के कोर्ट गेट क्षेत्र में कई लोगों अबैध रूप से सरकारी बिल्डिंगों में रहे हैं जिसके कारण कभी भी बड़ी जनहानि हो सकती उसको दृष्टिगत करते हुए एसडीएम ने क्षेत्र का जायज़ा लिया यहां पर रहने वाले लोगों को तत्काल टूटी फूटी बिल्डिंग के मकान को खाली करने के निर्देश दिए हैं इनको समझाया भी है नहीं मानने वालों पर प्रशासन अपनी तरफ से इन्हें बाहर निकालने की कार्रवाई करेगा बड़ी संख्या में लोग यहां पर निवास कर रहे हैं। पहले भी नोटिस दिए गए पर खाली नहीं हो पाई इस बार देखना है कि प्रशासन खाली कर पाएगा या नहीं। वहीं क्षतिग्रस्त मकानों में भी निवास कर रहे लोगों को भी डर नहीं है जबकि क्षतिग्रस्त मकान कभी भी गिर सकते हैं जिसके कारण कभी भी कोई भी बड़ी जनहानि भी हो सकती है उसको दृष्टिगत लगाते हुए इन लोगों को यहां से बाहर करने का काम भी बारिश से पहले किया जाएगा इसके लिए एसडीम हर्षल चौधरी ने प्रशासनिक अमले के साथ पहुंच कर पूरे क्षतिग्रस्त मकानों को देखते हुए इन टूटे-फूटे घरों में रह रहे लोगों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए एसडीएम ने कहा कि क्षतिग्रस्त मकानों में निवास करने से जान माल के नुक़सान होने का खतरा बना हुआ है इसीलिए समय से इन मकानों को खाली कर दें यहां कभी-भी गिर सकते हैं दूसरे मकान में रहने क लिए चले जाएं समय सीमा भी इनको देते हुए कहा कि ऐसा नहीं किया गया तो हम लोगों को प्रशासनिक कदम उठाते हुए आप लोगों को निकालने के लिए मजबूर होना पड़ेगा सभी के लिए नुकसानदायक हैं हम किसी हालत में यहां हम लोगों को किसी भी हालत में निवास नहीं करने दे सकते अभी जिस हालत में यह मकान है उनको देखते हुए ऐसा लगता है कभी भी यह भरवारा कर गिर जाएंगे ऐसा होने पर बड़ा नुकसान भी हो जाएगा बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं । बारिश होने पर और भी बुरे हालात कोर्ट गेट एरिया में बन सकते हैं।पहले क्षेत्र में प्रशासनिक अमले के सरकारी ऑफिस थे उनके निवास थे अब वह खाली हो गए थे कई लोगों ने इन सरकारी मकानों पर अवैध रूप से कब्जा करके अपने निवासी कर लिए हैं और इनको खली करने के लिए भी सहमत नहीं हो रहे इससे पहले भी एसडीएम और पी डब्लू डी विभाग के द्वारा इनको बिल्डिंग खाली करने के लिए कई बार नोटिस जारी हो चुके हैं पर इनमे रहने वाले लोग यहां से जाने को तैयार नहीं हो रहे हैं ।

इनका कहना है

बिल्डिंग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है यहां पर रहने वाले सभी लोगों को जल्दी हम यहां से बाहर करेंगे या बिल्डिंग कभी भी गिर सकती है हानिकारक है रहने लायक नहीं है।

हर्षल चौधरी एसडीएम

जिला न्यायालय सहित तहसील न्यायालयों में 10 मई को लगेगी नेशनल लोक अदालत

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में 10 मई 2025 को वर्ष 2025 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय रायसेन एवं समस्त तहसील न्यायालयों में किया जाएगा। जिला मुख्यालय रायसेन में 10 मई 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत का औपचारिक शुभारंभ सुबह 10.30 बजे जिला न्यायालय के सभागृह में किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित सभी राजीनामा योग्य सिविल और आपराधिक शमनीय प्रकरण, परक्राम्य अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण, बैंक रिकवरी संबंधी मामलें, एमएसीटी प्रकरण (मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा), वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण, विद्युत एवं जलकर/बिल संबंधी प्रकरण (चोरी के मामलों को छोड़कर), सेवा मामलें जो सेवा निवृत्त संबंधी लाभों से संबंधित है, राजस्व प्रकरण, दीवानी मामलें तथा अन्य समस्त प्रकार के राजीनामा योग्य, प्रीलिटिगेशन (मुकदमा पूर्व) एवं न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन–1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल

कमांक 838 / राजस्व / भोविप्रा / 25 भोपाल दिनांक 06.05.2025

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की शाहपुरा योजना में स्थित भवन क्रं.–102 सेक्टर–सी, वर्तमान में श्री अजय मुरालिया आ० श्री आर.एन. मुरालिया के नाम पर अंकित है, जिनका स्वर्गवास दिनांक 06/9/2024 को हो जाने के कारण उनकी पत्नि श्रीमती अनिता मुरालिया उनके पुत्रगण श्री हर्ष मुरालिया एवं श्री निशित मुरालिया द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र, आदि वांछित अभिलेख संलग्न कर भवन का नामांतरण अपने नाम पर किये जाने हेतु निवेदन किया है।

अतः उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/बैंक संस्था को कोई आपत्ति हो, तो विज्ञाप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के उदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उका समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राज. अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण
भोपाल

3 पीढ़ियों से सेना में कुरैशी खानदान, बुंदेलखंड में पली-बढ़ी कर्नल सोफिया कुरैशी

राजेश चौरसिया की खास रिपोर्ट

पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर आतंक का समर्थन करने वालों को कड़ा संदेश दिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' पूरा करने के बाद भारतीय सेना ने प्रेस ब्रीफिंग की खास बात ये हैं प्रेस ब्रीफिंग में भारतीय सेना की दो महिला अधिकारी मौजूद रही। जिनकी चर्चा भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में हो रही है। हर कोई इन दोनों महिला अफसरों के बारे में विस्तार से जानना चाहता है कि इनका जन्म कहां हुआ, शिक्षा कहां ली, सेना में भर्ती कब हुई आदि।

सोफिया कुरैशी ने स्क्कके नौगांव में पहली से तीसरी कक्षा तक की पढ़ाई:

कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम चर्चा में आते ही मध्य प्रदेश का सीना गर्व से फूल गया। दरअसल, सोफिया कुरैशी का परिवार शुरू में छतरपुर जिले के नौगांव में रहा। सोफिया कुरैशी ने पहली से तीसरी कक्षा तक नौगांव के जीडीसी स्कूल से पढ़ाई की। सोफिया का जन्म 1976 में पुणे में हुआ था। जन्म के बाद इनके पिता परिवार को लेकर नौगांव में शिफ्ट हुए। सोफिया के पिता का पुस्तैनी मकान नौगांव में ही है।

सोफिया के पिता ताज मोहम्मद कुरैशी भी सेना में कर्नल थे. जब पुणे से कर्नल ताज मोहम्मद कुरैशी का ट्रांसफर नौगांव हुआ तो वह यहां शिफ्ट हुए. इसके बाद ताज मोहम्मद कुरैशी का ट्रांसफर रांची और फिर बड़ौदा हुआ. बड़ौदा में आगे की पढ़ाई करके सोफिया कुरैशी ने सेना ज्वाइन की. सोफिया कुरैशी की शादी सेना में कर्नल तजुद्दीन से हुई है.

सोफिया कुरैशी की बहादुरी देख नौगांव के लोग खुशी से उछल पड़े: नौगांव में सोफिया कुरैशी के बुआ रहती हैं। जैसे ही ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना की प्रेस ब्रीफिंग हुई और सोफिया कुरैशी ने पत्रकारों को संबोधित किया तो पूरे नौगांव के साथ ही छतरपुर में खुशी की लहर फैल गई। नौगांव की बेटी ने पूरी दुनिया को बता दिया कि भारत की महिलाएं बहादुरी में सबसे आगे हैं. नौगांव में रहने वाले सोफिया कुरैशी के ममेरे भाई बंटी सुलेमान प्रेस वार्ता में अपनी बहन को देखकर काफी भावुक हो गए और उनका सीना गर्व से फूल गया।

बता दें कि सोफिया कुरैशी की मां का नाम हलीमा बेगम हैं। वह यूपी हमीरपुर की रहने वाली हैं। नौगांव के समाजसेवी सनातन रावत भी सोफिया कुरैशी के परिवार को भलीभांति जानते हैं । जैसे उन्होंने सोफिया कुरैशी के बारे में सुना तो खुशी से उछल पड़े और बोले हमें गर्व है ऐसी बेटी पर।

पिता और दादा की तरह सोफिया ने भी पकड़ी सेना की राह: सोफिया के ममेरे भाई बंटी सुलेमान कहते हैं - सोफिया और सायना दो बहनें हैं। सोफिया का जन्म 1976 में पुणे में हुआ था। उसके बाद वह नौगांव आ गईं। यहां हमारे नाना थे और सोफिया के दादा। वह नौगांव में ही सेना में भर्ती हुए थे। सुलेमान बताते हैं - कैसे सोफिया के परिवार में वो तीसरी पीढ़ी है, जिन्होने सेना में भर्ती होकर देश सेवा का संकल्प लिया. सोफिया के पिता ताज मोहम्मद कुरैशी भी आर्मी में थे।÷ सुलेमान कहते हैं ÷जिस घर में मैं बैठा हूं। इसी घर में उनकी परवरिश हुई। नौगांव के जीसीडी स्कूल में पहली से तीसरी कक्षा तक की पढ़ाई की है सोफिया ने

जिसे पीठ पर बैठा कर स्कूल ले जाता था, ऐसी बहन पर गर्व है: बंटी सुलेमान की गर्व करते हुए कहते हैं ÷आज इतना फक्र हो रहा है कि आतंकवादियों ने जिनके घर के चिराग बुझा दिए थे, भारतीय सेना ने हमारी सरकार ने उसका बदला ले लिया और मेरी बहन भी उस ऑपरशन का हिस्सा है। वह बचपन की याद करते हुए कहते हैं ÷जब वो छोटी थी कई बार कहती थी भैय्या थक गए हैं, पीठ पर बिठा लो और मैं उसे स्कूल ले जाया करता था। आज उसी बहन ने मेरा सीना चौड़ा कर दिया। पूरे देश को मेरी बहन सोफिया पर नाज है।÷

1999 में हुआ सेलेक्शन: भारतीय सेना में सोफिया की एंट्री 1999 में हुई.उन?होंने 1999 में चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त किया.इसके बाद सोफ?िया ने सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्राप्त किया.वर्ष 2006 में सोफ?िया ने कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन में सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में सेवा दी. वह 2010 से शांति स्थापना अभियानों से जुड़ी रही हैं.पंजाब सीमा पर ऑपरेशन पराक्रम के दौरान उनकी सेवा के लिए उन्हें जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (त्नह्रष्ट-द्बठ्ठ-ष्ट)का प्रशंसा पत्र भी मिल चुका है.उत्तर-पूर्व भारत में बाढ़ राहत कार्यों के दौरान उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें सिग्नल ऑफिसर इन चीफ (स्ह्र-द्बठ्ठ-ष्ट) का प्रशंसा पत्र भी मिला था.उन्हें फोर्स कमांडर की सराहना भी मिली

कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह चर्चा में: गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस ब्रीफिंग का नेतृत्व किया और भारत के दुश्मनों को एक कड़ा संदेश दिया। यह भारत के सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। भारतीय इतिहास में पहली बार, दो महिला अधिकारियों - भारतीय थल सेना से कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायु सेना से विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने एक बड़े सैन्य अभियान पर आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग का नेतृत्व किया। उनके संयमित और दृढ़ बयानों ने न केवल आतंकवाद का जवाब देने के भारत के संकल्प को दर्शाया, बल्कि सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती ताकत को भी दर्शाया।

कार्यालय ग्राम पंचायत बनियातारा

जनपद पंचायत मंडला, जिला मण्डला (म.प्र.)

क्रमांक/ ग्राम पंचा./025 बनियातारा, दिनांक 01.05.2025

निविदा प्रकाशन

म.प्र.पंचायत राज्य अधिनियम 1993 के अंतर्गत ग्रा.पंचा. बनियातारा में विधायक निधि मद से ग्राम पंचायत बनियातारा द्वारा कार्य कराया जाना है जो कार्य निम्नानुसार है,

01 -ग्राम पंचायत बनियातारा:- पुलिया निर्माण कार्य बनियातारा

इच्छुक सप्लायर अपनी दरों को सील बंद लिफाफे में दिनांक 07.05. 2025 तक कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं। रेत प्रति घन मीटर, गिट्टी 20 एवं 40 एम एम. प्रति घन मीटर में एवं सीमेंट प्रति बैग एवं पाईप 1000 एम एम प्रति नग की दर से एवं निर्माण कार्य में लगने वाली अन्य सामग्री शामिल हैं।

नोटः- निविदा संबंधी सभी नियम व शर्तें ग्रा.पंचा. बनियातारा के भवन के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत बनियातारा
जनपद पंचायत मंडला जिला मंडला म.प्र.

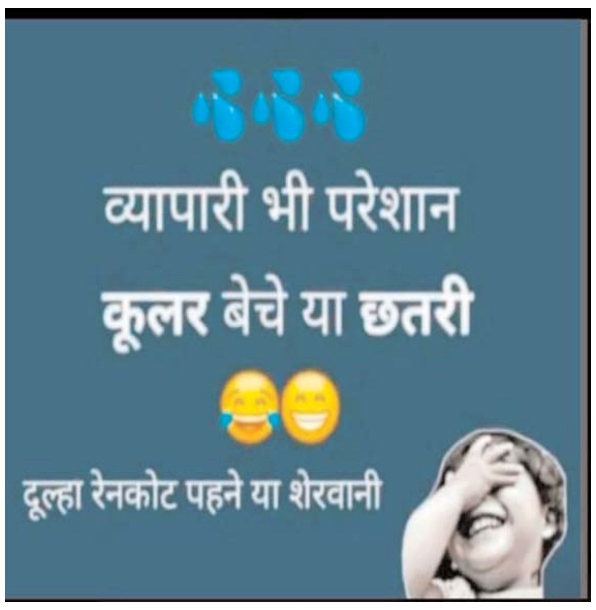

तनाव के चलते 9 मई तक 27 एयरपोर्ट बंद दिल्ली एयरपोर्ट ने एडवाइजरी जारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते कई एयरपोर्ट्स पर कामकाज रोक दिया गया। बुधवार तड़के पाकिस्तान और पीओके में भारतीय सेनाओं द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया था। इसमें 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया। इसके बाद राजस्थान, गुजरात, पंजाब, जम्मू-कश्मीर और चंडीगढ़ समेत कम से कम 27 एयरपोर्ट्स को बंद कर दिया गया। ये एयरपोर्ट्स 9 मई तक बंद रहेंगे।

ये एयरपोर्ट्स रहेंगे बंद: चंडीगढ़, श्रीनगर, अमृतसर, लुधियाना, भुंतर, किशनगढ़, पटियाला, शिमला, गग्गल, बठिंड, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, हलवारा, पठानकोट, लेह, जम्मू, मुंद्रा, जामनगर, राजकोट, पोरबंदर, कांडला, केशोद, भुज, धर्मशाला, ग्वालियर, हिंडन।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी रहने के कारण दिल्ली एयरपोर्ट ने एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें यात्रियों से उड़ान की स्थिति के लिए संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करने का आग्रह किया गया। दिल्ली हवाई अड्डे ने एक्स पर पोस्ट किया, दिल्ली हवाई अड्डे के सभी टर्मिनल और सभी 4 रनवे पर संचालन सामान्य रूप से जारी है। हालांकि, हवाई क्षेत्र की बदलती परिस्थितियों के कारण कुछ उड़ानों पर असर पड़ा है।

देश में 200 से अधिक उड़ानें रद्द: ऑपरेशन सिंदूर के बाद हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण 200 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं। एयर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और कई विदेशी एयरलाइनों ने कई प्रमुख हवाई अड्डों से और के लिए संचालन निलंबित कर दिया। इंडिगो ने घोषणा की है कि उसने अमृतसर और श्रीनगर जैसे प्रमुख केंद्रों से 165 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं और 10 मई की सुबह तक व्यवधान जारी रहने की उम्मीद है। एयर इंडिया ने हवाई अड्डा बंद होने पर सरकार की अधिसूचना के जवाब में जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट सहित कई शहरों से और के लिए उड़ानें भी निलंबित कर दीं।

सोने ने छुआ एक लाख का आंकड़ा, सीमा पर तनाव के बीच 1000 की उछाल

मुंबई, एजेंसी। भारतीय सेना की तरफ से पहलगाम आतंकी हमले का प्रतिशोध लिया है। जिसके बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव अपने चरम पर है। वहीं इस सबके बीच बाजार भी गुलजार दिखा है, सोने ने एक हजार रुपये की उछाल के बाद एक लाख का आंकड़ा पार गया है। जबकि चांदी भी एक लाख रुपये प्रति किग्रा के करीब पहुंच रही है।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते बुधवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखा गया। सोना 1000 रुपये चढ़कर एक लाख 750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले मंगलवार को सोने का बंद भाव 99750 रुपये था। यह बढ़त निवेशकों की तरफ से सुरक्षित निवेश के तौर पर सोना खरीदने के कारण आई है। बुधवार सुबह भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इनमें जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर ठिकाना और लश्कर-ए-तैयबा का मुरिदके बेस भी शामिल है। इस सैन्य कार्रवाई के बाद निवेशक सोने जैसे सुरक्षित साधनों की तरफ भागे हैं।

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 1050 रुपये बढ़कर एक लाख 350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। मंगलवार को इसका बंद भाव 99 हजार 300 रुपये था। यह उछाल सोने के लिए अब तक के रिकॉर्ड स्तर के करीब है। इससे पहले 22 अप्रैल को सोना एक लाख एक हजार 600 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा था।

बजाज आलियांज लाइफ ने की अपने अब तक के सबसे बड़े बोनस 1,833 करोड़ रुपये की घोषणा

पुणे , एजेंसी। बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस, भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अब तक का सबसे बड़ा 1,833 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बोनस घोषित किया है। यह एफवाय24 में घोषित 1,383 करोड़ रुपये के बोनस की तुलना में 32 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। इस बोनस से कंपनी के भाग लेने वाले (लाभ के साथ) उत्पादों में निवेश करने वाले 11.71 लाख से अधिक पॉलिसीधारकों को लाभ होगा। इस घोषणा के साथ, बजाज आलियांज लाइफ ने लगातार 24 वर्षों तक वार्षिक बोनस घोषित करके ग्राहकों को मूल्य प्रदान करने की अपनी मजबूत परंपरा को जारी रखा है। 31 मार्च 2025 तक लागू पारंपरिक भाग लेने वाली पॉलिसियों के पॉलिसीधारक इस बोनस के लिए पात्र होंगे, जो भाग लेने वाले फंड से उत्पन्न अधिशेष से घोषित किया गया है। बजाज आलियांज लाइफ विभिन्न प्रकार के भाग लेने वाले उत्पाद प्रदान करता है, जिनमें शामिल हैं- बजाज आलियांज लाइफ॰ष्टश्व (एक गैर-लिंक्ड, भाग लेने वाला, व्यक्तिगत जीवन बीमा बचत योजना), बजाज आलियांज लाइफ॰ष्टश्व एडवांटेज (एक गैर-लिंक्ड, भाग लेने वाला, जीवन बीमा बचत योजना), और बजाज आलियांज लाइफ एलीट एश्योर (एक गैर-लिंक्ड, भाग लेने वाला, व्यक्तिगत जीवन बीमा बचत योजना) जो ग्राहकों को उनकी विविध जीवन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बढ़ी हुई लचीलापन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड ने हर उतार-चढ़ाव में बेहतर प्रदर्शन किया

मुंबई, एजेंसी। एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड एक डायनामिक इक्विटी फंड है जो लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश करता है। इस फंड ने पिछले 30 वर्षों में बाज़ार के कई उतार-चढ़ावों के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया है। फंड की शुरुआत 1 जनवरी 1995 को हुई थी और इसका अब तक का औसत वार्षिक रिटर्न 18.82 प्रतिशत (31 मार्च 2025 तक) रहा है। इस तरह फ़ंड की शुरुआत के दौरान निवेश किए गए 1 लाख की आज की वैल्यू- 1.84 करोड़ हो गई है। फ़ंड ने निफ्ट 4 500 टीआरआई से 1.51 करोड़ अधिक रिटर्न दिया है। इसके अलावा, शुरुआत से हर महीने के पहले कारोबारी दिन मासिक निवेश किए गए 10,000 की एक व्यवस्थित निवेश योजना (कुल निवेश 36.20 लाख) की रकम 31 मार्च, 2025 तक लगभग 20.24 करोड़ हो गई होगी। पिछले तीन दशकों में एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड ने बाज़ार के कई उतार-चढ़ावों का सफलतापूर्वक सामना किया है, और अपनी मज़बूत निवेश रणनीति को बार-बार सिद्ध किया है। यह रणनीति उच्च गुणवत्ता वाली, मजबूत बुनियादी संरचना वाली कंपनियों और दीर्घकालिक विकास क्षमता पर केंद्रित रही है। अच्छी कंपनियों की पहचान, उचित मूल्यांकन और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के चलते यह फंड निवेशकों के बीच एक भरोसेमंद विकल्प बन चुका है। फंड की निवेश रणनीति 'बॉटम-अप' पद्धति पर आधारित है, जिसमें ग्रोथ की संभावना रखने वाली कंपनियों को उचित मूल्य पर चुना जाता है।

बिमटेक ने आयोजित किया 37वां वार्षिक दीक्षांत समारोह, 713 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधि

ग्रेटर नोएडा एजेंसी। भारत के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में से एक बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) ने आज इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड में आयोजित अपने 37वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के साथ अपनी समृद्ध विरासत में एक और अध्याय जोड़ा। यह दीक्षांत समारोह बिमटेक के प्रमुख पीजीडीएम पाठ्यक्रमों - पीजीडीएम, पीजीडीएम (रिटेल मैनेजमेंट), पीजीडीएम (इंश्योरेंस बिजनेस मैनेजमेंट), पीजीडीएम (इंटरनेशनल बिजनेस), पीजीडीएम (ऑनलाइन) और फैलोशिप प्रोग्राम के छात्रों के लिए आयोजित किया गया। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने वर्चुअल माध्यम से दीक्षांत समारोह में शिरकत की। बिमटेक की डाइरेक्टर डॉ. प्रवीणा राजीव और गवर्निंग बोर्ड की अध्यक्षा जयश्री मोहता भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं। उनके साथ, खैतान एंड कंपनी के सीनियर पार्टनर (विवाद निवारण, रियल एस्टेट) श्री नंद गोपाल खैतान तथा बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य श्री विकास कंदोई भी उपस्थित थे। इस अवसर पर माननीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, हमारे देश को पहलगाम में चुनौती दी गई है।

'शिव शक्ति' में शिव जी की पुत्री मनसा देवी का आगमन हुआ, और लंबे समय से दबी सच्चाईयां उजागर होंगे

मुंबई, एजेंसी। कलर्स के 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' में महादेव की दिव्य यात्रा के कुछ सबसे दिलचस्प और कम चर्चित किस्सों को दिखाया गया है। ये कहानियां महादेव के सबसे समर्पित भक्तों को भी हैरान कर देती हैं। हर ट्रैक के साथ, यह शो शिव और पार्वती की परिचित पौराणिक कथाओं से आगे बढ़ते हुए उनकी भावनात्मक, आध्यात्मिक और नैतिक दुविधाओं को समझने का प्रयास करता है। और अब, महादेव की दुनिया दो ऐसी शक्तिशाली दिव्य ऊर्जाओं के आगमन से हिलने वाली है, जिनकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। मनसा देवी और कद्रू मां का किरदार क्रमशः रिया दीपसी और दिव्या लक्ष्मी ने निभाया है। उग्र, आहत और महादेव से ज़्यादा ताकतवर बनने की तीव्र इच्छा से भरी हुई - मनसा प्रेम की तलाश में नहीं आती हैं, वह क्रोध के साथ आती हैं। लेकिन दुनिया को यह नहीं पता कि वह स्वयं शिव की पुत्री हैं। यह सच्चाई वर्षों तक छिपी रही, और जब सामने आती है तो मां पार्वती को भीतर तक झकझोर देती है।

सत्व सुकुन ने चौथी तिमाही में लाभ में 74.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, कंपनी का 48 करोड़ का राइट्स इश्यू भी पेश

मुंबई, एजेंसी। घरेलू साज-सज्जा और सुगंध उत्पाद बनाने वाली कंपनी सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसईः 539519) ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त चौथी तिमाही और बारह महीनों के लिए मजबूत वित्तीय परिणाम दर्ज किए हैं। 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 74.5 प्रतिशत बढ़कर 84.22 लाख रुपए हो गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 48.19 लाख था। 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही में परिचालन से आय 6 प्रतिशत बढ़कर 105.16 लाख रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 99.23 लाख रुपए थी। 31 मार्च 2025 को समाप्त बारह महीनों के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ 108.9 प्रतिशत बढ़कर 248.94 लाख रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 119.04 लाख रुपए था। 31 मार्च, 2025 को समाप्त बारह महीनों के लिए परिचालन से आय 48.1 प्रतिशत बढ़कर 526.30 लाख रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 355.33 लाख थी। सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मीत तरूणकुमार ब्रह्मभट्ट ने कहा कि कंपनी की सफलता नवाचार-संचालित उत्पाद विकास, विनिर्माण क्षमताओं में निवेश और एक विस्तारित ग्राहक आधार के संयोजन से प्रेरित है, जो दीर्घकालिक टिकाऊ विकास की दिशा में अपना रास्ता मजबूत करता है। यह मजबूत प्रदर्शन सत्त्व सुकुन की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता, बाजार के रुझानों के प्रति अनुकूलनशीलता और उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी होने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अपने मजबूत परिचालन प्रदर्शन के अलावा, सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड ने अपने राइट्स इश्यू की शर्तों को अंतिम रूप दे दिया है, जिसे शुरुआत में जनवरी 2025 में मंजूरी दी गई थी। कंपनी का लक्ष्य 1 रुपए के अंकित मूल्य के साथ 1 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर 48 करोड़ इक्विटी शेयरों की पेशकश करके 48 करोड़ रुपए जुटाने का है। शुक्रवार, 09 मई 2025 को तय की गई रिकॉर्ड तिथि के अनुसार, शेयरधारक प्रत्येक 2 शेयरों के लिए 5 नए शेयरों के हकदार होंगे। कंपनी का राइट्स इश्यू शुक्रवार, 28 मई, 2025 को खुलेगा और बाजार मोचन की समय सीमा सोमवार, 06 जून, 2025 है और गुरुवार, 11 जून, 2025 को बंद होने वाली है (विस्तार के अधीन, लेकिन खुलने की तारीख से 30 दिनों से अधिक नहीं)। यदि इश्यू पूरी तरह से सब्सक्राइब हो जाता है, तो कंपनी के बकाया शेयर बढ़कर 67.2 करोड़ हो जाएंगे।

हंगामा ओटीटी ने अपनी री-ब्रांडिंग और 2025 में रिलीज होने वाली 24 दिलचस्प सीरीज की घोषणा

मुंबई, एजेंसी। हंगामा ओटीटी कॉन्टेन्ट देखने के आपके अनुभव को और भी रोचक और मजेदार बनाने जा रहा है। अपनी सफलता का जश्न मनाने के लिए 5 मई को लूमा हाउस,जुहू में खास तौर पर आयोजित कार्यक्रम में प्लैटफॉर्म ने अपनी री-ब्रांडिंग की भी घोषणा की। अब यह 'हंगामा' से 'हंगामा ओटीटी'के रूप में पहचाना जाएगा। इसी के साथ अपग्रेड किए गए हंगामा ओटीटी ऐप की घोषणा भी की गई जिसके जरिए दर्शकों को बेहतर और यूजर-फ्रेंडलीतरीके से स्मार्ट टीवी और कनेक्टेड डिवाइस पर अपनी पसंदीदा सीरीज का लुत्फ लेने का मौका मिलेगा। इस कार्यक्रम में हंगामा ओटीटी के 2025 में रिलीज होने वाले दमदार और शानदार कॉन्टेन्ट के बारे में भी जानकारी दी गई। 2025 में 24 ओरिजनल सीरीज की योजना है जिनमें दिलचस्प थ्रिलर, मनोरंजक ड्रामा, बोल्ड रोमांस और किसी तय जॉनर से अलग जाने वाले फॉर्मैट भी देखने को मिलेंगे। इस आयोजन में कई जाने-माने मेहमान शामिल हुए जिनमें मोनालिसा, अमृता खानविलकर, दिव्या अग्रवाल, टीना दत्ता,गुलकी जोशी, युक्ति कपूर, और आकांक्षा पुरी शामिल थीं। इन सभी ने अपनी मौजूदगी से कार्यक्रम में चार चांद लगाए।

सितंबर 2024 में अहम सीरीज जैसे 'फ्लाइटअटेंडेंट', चेकमेट', 'पर्सनलट्रेनर', रेडरूम','पिरामिड','पति पत्नी और पड़ोसन', 'हसरतें2' और' खदान' जैसे प्रशंसकों की पसंदीदा सीरीज के साथ हंगामा ओटीटी ने देशभर में खासी धूम मचाई। अबहंगामाओटीटीअपनी नई दिलचस्प सीरीज के साथ मनोरंजन को दोगुनाकरने जा रहा है। अब आपको ऐसे शानदार थ्रिलर देखने को मिलेंगे जिनमें आप लगातार यह सोचेंगे कि आगे क्या होने वाला है, दिलचस्प प्रेम कहानियां होंगी, कुछ ऐसा कॉन्टेन्ट होगा जो आपने अब तक नहीं देखा होगा और आने वाले कॉन्टेन्ट में हर दर्शक के लिए कुछ न कुछ जरूर होगा। अपग्रेड किया गया हंगामा ओटीटी ऐप बेहतरीन, स्मार्ट और आपके हिसाब से बनाए गए मनोरंजन का वादा करता है।

बोर्ड परीक्षा परिणामों में चिल्ड्रन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल की छात्राओं ने रचा कीर्तिमान

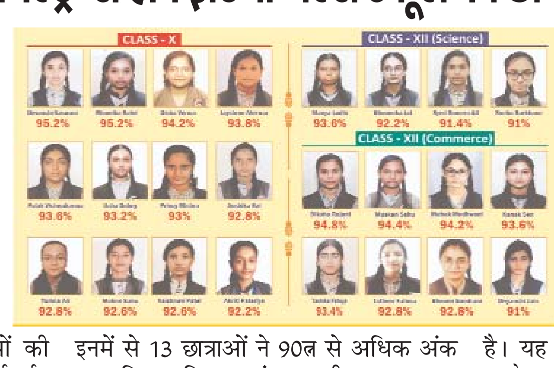

भोपाल। शहीद हेमू कलानी शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित चिल्ड्रन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल, गांधीनगर की छात्राओं ने वर्ष 2024-25 की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में शानदार सफलता अर्जित करते हुए विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है। छात्राओं ने परिश्रम, अनुशासन एवं संकल्प के साथ परीक्षा में भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह सफलता विद्यार्थियों की कठोर मेहनत, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सतत सहयोग का प्रतिफल है। कक्षा 10वीं की 96 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की, जिनमें से 19 छात्राओं ने 90त्न से अधिक अंक प्राप्त कर विशेष उपलब्धि दर्ज की। दिव्यांशी वासवानी एवं भूमिका सैनी ने संयुक्त रूप से 95.2त्न अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिशा वर्मा ने 94.2त्न अंकों के साथ द्वितीय एवं जयश्री अहिरवार ने 93.8त्न अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। कक्षा 12वीं की 84 छात्राओं ने विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में उत्तीर्ण होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इनमें से 13 छात्राओं ने 90त्न से अधिक अंक प्राप्त किए। विज्ञान संकाय की छात्रा मान्या लोधी ने 93.6त्न अंक हासिल कर प्रथम, भूमिका जाट 92.2त्न अंकों के साथ द्वितीय तथा सय्यद सुमेरा अली 91.4त्न अंक हासिल कर तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार वाणिज्य संकाय में दीक्षा राजानी 94.8त्न अंको के साथ प्रथम , मुस्कान साहू 94.4त्नअंकों के साथ द्वितीय तथा महक माधवानी 94.2त्न अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहीं। छात्राओं की इस अभूतपूर्व सफलता पर संस्थान के अध्यक्ष श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी, उपाध्यक्ष श्री हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव श्री घनश्याम बूलचंदानी, श्री के.एल. रामनानी, कोषाध्यक्ष श्री भगवान दामानी, जीव सेवा संस्थान के सचिव श्री महेश दयारमानी, विद्यालय प्राचार्य श्रीमती प्रिया जैन शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने अपने संदेश में कहा हमारी छात्राओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि समर्पण, अनुशासन और शिक्षा के प्रति निष्ठा से हर लक्ष्य संभव है। यह सफलता केवल अंक नहीं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। अभिभावकों ने भी इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय प्रबंधन तथा शिक्षकों के समर्पण एवं शिक्षण गुणवत्ता की सराहना की। यह उपलब्धि केवल परीक्षा परिणाम नहीं, अपितु समाज में बालिकाओं की शिक्षा, आत्मनिर्भरता एवं प्रगति की प्रेरक मिसाल है। चिल्ड्रन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल, गांधीनगर निरंतर सर्वांगीण विकास, नवाचार, एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति संकल्पित है तथा भविष्य में भी इसी दिशा में अग्रसर रहेगा।

ओप्पो एफ29 सीरीज को बाजार में अच्छी प्रतिक्रिया मिली

भोपाल। ओप्पो इंडिया की नई लॉन्च की गई एफ29 सीरीज़ सफलता के नए मानक स्थापित करते हुए बहुत शानदार प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। भोपाल में 21 दिन की सेल के दौरान एफ29 सीरीज़ की सेल ओप्पो एफ27 प्रो+ की तुलना 21त्न अधिक हुई, जिससे इस क्षेत्र में इसकी बढ़ती लोकप्रियता और मजबूत मांग प्रदर्शित होती है। ओप्पो एफ29 सीरीज भारत में बढ़ती गिग अर्थव्यवस्था के लिए बनाई गई है। यह ड्राइवरों, डिलीवरी पार्टनर्स, होम-सर्विस प्रोफेशनल्स और छोटे व्यवसाय मालिकों की ज़रूरतों को पूरा करती है। एफ29 सीरीज अपने स्लिम और स्टाइलिश डिज़ाइन तथा मिलिट्री-ग्रेड की मजबूती, आधुनिक कनेक्टिविटी और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी के साथ हर चुनौती का सामना करने के लिए बनाई गई है।एफ29 सीरीज धूल और लिक्विड से सबसे अधिक सुरक्षा प्रदान करती है। इसे भारत के बदलते मौसम के लिए केरल के मानसून से लेकर राजस्थान की गर्मी तक टेस्ट किया गया है। यह आईपी66, आईपी68 और आईपी 69 रेटिंग के साथ पानी की तेज धार, पानी के अंदर डूबने और उच्च दबाव तथा उच्च तापमान के पानी को भी सहन कर सकती है। यह सीरीज़ कारखानों तथा अत्यधिक चरम मौसम में काम करने वाले लोगों के लिए उपयुक्त है। पानी के संपर्क में आने के बाद इसमें स्पीकर से पानी निकालने के लिए एक पल्सेटिंग साउंड निकलती है। भारत में इसकी टेस्टिंग स्त्रस् (सोसाइटी जेनरल डे सर्विलांस), बेंगलुरु द्वारा की गई है।

रूटमैटिक को सीरीज सी फंडिंग राउंड में 340 करोड़ रुपये की निवेश राशि प्राप्त हुई

फुलर्टन कार्बन एक्शन फंड और शिफ्टीगुड ने किया नेतृत्व

मुंबई, एजेंसी। रूटमैटिक भारत की अग्रणी एआई-संचालित कॉर्पोरेट परिवहन-एज़-ए-सर्विस कंपनी, जो 23 शहरों में 300 से अधिक कॉर्पोरेट्स को एंड-टू-एंड कॉर्पोरेट कम्यूट सेवाएं प्रदान करती है, ने आज घोषणा की कि उसे सीरीज सी फंडिंग राउंड में 340 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है। इस निवेश का नेतृत्व फुलर्टन कार्बन एक्शन फंड और शिफ्ट4गुड ने किया। इस लेनदेन में ओस्टारा एडवाइजर्सजो भारत की प्रमुख क्लाइमेट-टेक इनवेस्टमेंट बैंकिंग फर्म है, रूटमैटिक की एक्सक्लूसिव फाइनेंशियल एडवाइज़र रही।

2013 में स्थापित रूटमैटिक ने एंटरप्राइज मोबिलिटी समाधान के क्षेत्र में लगातार अग्रणी भूमिका निभाई है, और एआई आधारित तकनीक के साथ कॉर्पोरेट ट्रांसपोर्टेशन को नए सिरे से परिभाषित किया है। कंपनी हर महीने 50 लाख ट्रिप्स के साथ 3 लाख से अधिक कर्मचारियों को सुरक्षित और अनुमानित यात्रा अनुभव प्रदान कर रही है।

भारत का एम्प्लॉयी ट्रांसपोर्टेशन मार्केट 2030 तक .13.2 बिलियन तक पहुंचने की संभावना है, जिसे जीसीसीएस में तीव्र बिज़नेस ग्रोथ, कर्मचारियों की भलाई पर बढ़ता ध्यान और स्थिरता जैसे कारक गति प्रदान कर रहे हैं। रूटमैटिक इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपनी सेवाओं को विस्तार देने की योजना बना रही है और मार्च 2026 तक शीर्ष पांच शहरों में अपने फ्लीट को 10,000 से अधिक वाहनों तक पहुंचाने की दिशा में कार्यरत है।

रूटमैटिक का एआई -संचालित सास प्लेटफ़ॉर्म पहले से ही कॉर्पोरेट ट्रांसपोर्टेशन को सुव्यवस्थित कर रहा है। कंपनी अब शहर-स्तरीय कमांड सेंटर्स की स्थापना के अगले चरण की ओर बढ़ रही है, जो बड़े पैमाने पर मांग-उत्तरदायी फ्लीट प्रबंधन को सक्षम बनाएंगे, कर्मचारियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाते हुए कंपनियों के लिए ट्रांसपोर्टेशन लागत को भी काफी हद तक कम करेंगे। इसके साथ ही रूटमैटिक अपने फ्लीट का 30 प्रतिशत हिस्सा इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करने की योजना बना रही है ताकि ग्राहकों को उनके श्वस्त्र लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सके।

रूटमैटिक के संस्थापक और सीईओ श्रीराम कन्नन ने इस फंडिंग को लेकर उत्साह व्यक्त किया-

हम अपने निवेशकों के भरोसे के लिए आभारी हैं जो हमें कॉर्पोरेट ट्रांसपोर्टेशन के भविष्य की दिशा में अग्रसर होने का अवसर देता है। यह निवेश हमें बढ़ती मांग का लाभ उठाने और सतत कॉर्पोरेट मोबिलिटी में अपनी नेतृत्वकारी स्थिति को और मजबूत करने में सक्षम बनाएगा।

रूटमैटिक की को-फाउंडर और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कविता रामचंद्रगौड़ा ने कहा पिछले कुछ वर्षों में हमारी वृद्धि की नींव हमारी टीमों की प्रतिबद्धता, हमारे संचालन की मज़बूती और हमारे ग्राहकों, साझेदारों और निवेशकों के अटूट विश्वास ने रखी है। रूटमैटिक ने हमेशा सीमाओं को लांघने का प्रयास किया है और यह निवेश हमें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करेगा। हम उन्नत तकनीक और स्थायी उपायों के साथ शहरी मोबिलिटी को फिर से परिभाषित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे केंद्र में एआई के साथ, हम निरंतर सुरक्षित, अधिक कुशल और पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदार यात्रा समाधान तैयार करते रहेंगे जो हमारे ग्राहकों और साझेदारों को सशक्त बनाते हैं। फुलर्टन फंड मैनेजमेंट में डिप्टी सीआइओ और हेड ऑफ अल्टरनेटिव्स हक खिम टैन ने कहा रूटमैटिक एक स्थापित, अग्रणी, लाभदायक और तेज़ी से बढ़ती कंपनी है जो भारत में ट्रांसपोर्टेशन और शहरी मोबिलिटी के क्षेत्र में अहम समस्याओं का समाधान करते हुए ईवी को अपनाकर और डेली ट्रिप्स की संख्या घटाकर डीकार्बोनाइजेशन को गति दे रही है। हमें विश्वास है कि रूटमैटिक ने एक अनोखे, पूंजी-कुशल और सेवा-आधारित बिज़नेस मॉडल के माध्यम से सफलता प्राप्त की है, जो ऑटोमेटेड समाधानों को विविध ग्राहकों तक पहुंचाता है—चाहे वह बड़े एंटरप्राइज़ हों या छोटे व्यवसाय। हम इस विकास के अगले चरण रूटमैटिक का समर्थन करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। विशेष रूप से हमारे सहयोगी अखिल जैन का आभार, जिन्होंने श्रीराम और कविता के साथ मिलकर इसे संभव बनाया।

शिफ्ट4गुड के को-फाउंडर और मैनेजिंग पार्टनर सेबास्टियन गुइलॉड ने कहा- हम रूटमैटिक का समर्थन इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने वह निर्माण किया है जिसके बारे में इस क्षेत्र के अधिकांश खिलाड़ी केवल बात ही करते हैं—एक सच में बुद्धिमान और स्केलेबल प्लेटफॉर्म।

9 मई को प्रभावित होगी जलापूर्ति

छिन्दवाड़ा। दिनांक 09 मई सुबह 10 बजे से सायं 06 बजे तक जमुड़ी पांडरों वाटर कैनाल का गहरीकरण प्रस्तावित है। जिससे धर्मटेकरी वाटर ट्रीटमेन्ट प्लांट बन्द रहेगा। उपरोक्त समय में शिक्षक कॉलोनी, ढिमरीढाना सारसवाड़ा, खापाभाट, कुकड़ा जगत, सर्वोत्तम नगर क्षेत्र लहगडुआ, सोनाखार, बोहता, कुसमेली, अजनिया, परतला पोआमा, बोरिया, शिवनगर खान कॉलोनी, मधुबन कॉलोनी, सोनपुर, सिवनी प्राणमोती सहित वार्ड 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 22, 24 एवं 48 की पेयजलापूर्ति प्रभावित होगी।

आज निकाली जाएगी संविधान बचाओ रैली नकुलनाथ करेंगे नेतृत्व

छिन्दवाड़ा। राजीव कांग्रेस भवन से प्रातः 11 बजे संविधान बचाओ रैली प्रारंभ होगी जो मुख्य मार्ग से होते हुए बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर चौराहा पहुंचेगी। जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी के नेतृत्व में निकाली जाने वाली संविधान बचाओ रैली में जिले के हजारों कांग्रेस पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण व आमजन शामिल होंगे। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने कांग्रेस द्वारा आयोजित संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस परिवार के समस्त पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण एवं आमजन से सम्मिलित होने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है, क्योंकि एकमात्र संविधान ही है जो सरकार मनमानी करने से रोकती है साथ ही सभी को उनके मौलिक अधिकार प्रदान करती है।

अमरवाड़ा शासकीय आईटीआई को पांच नये ट्रेडों की मिली सौगात

अमरवाड़ा। जिले के सांसद विवेक बंटी साहू एवं अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजा कमलेश प्रताप शाह के अथक प्रयासों से अमरवाड़ा विकासखंड के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में पांच नवीन ट्रेडों को खोलने की स्वीकृति राज्य शासन से प्राप्त हुई है उक्तआशय की जानकारी प्रदान करते हुए विधायक प्रतिनिधि दीपक नेमा ने बताया कि शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई अमरवाड़ा में अभी तक कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट के ट्रेड पर ही प्रशिक्षण दिया जा रहा था। क्षेत्र के छात्रों की मांग पर जिले के सांसद विवेक बंटी साहू एवं क्षेत्रीय विधायक राजा कमलेश प्रताप शाह ने आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन, फीटर, डीजल मैकेनिक, स्टेनोग्राफर, और सोलर टेक्नीशियन के नए ट्रेड नवीन शिक्षा सत्र से प्रारंभ करने की स्वीकृति दिलाई है जल्द ही नवीन सत्र से ट्रेडों पर प्रशिक्षण प्रारंभ हो जाएगा साथ ही आधुनिक मशीनों से प्रशिक्षण और ई लाइब्रेरी की सुविधा भी मिलेगी

खुशी ने किया समाज को गौरान्वित

चौरई। कक्षा 10 वी मे खुशी वर्मा द्वारा 92 प्रतिशत अंक लाकर अपने लोधी समाज का नाम गौरान्वित किया है खुशी लोधी समाज के नगर अध्यक्ष दिलीप वर्मा की बिटिया है जो हमेशा सामाजिक कार्यों मे अपने पिता के साथ सहयोग भी करती है वे आगे चल कर प्रशासनिक सेवा अधिकारी बनकर प्रदेश एवं समाजसेवा का कार्य करना चाहती है ! सामाजिक बंधुओ एवं समस्त स्कूल परिवार के द्वारा ख़ुशी को इस सफलता के लिए शुभकामनायें प्रेषित क़ी है

धामनिया में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

परासिया। मुख्यालय के पहाड़ी क्षेत्र की सुदूर ग्राम पंचायत धामनिया में, इन दिनों ग्रामीण भक्ति भाव में डूबे हुए है। यहां पर तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसमें श्री शिव परिवार, संत भूरा भगत, रामलला एवं हनुमान जी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही हैं। वैदिक मंत्रोंउच्चार की गूंज पूरे ग्राम में गूंज रही है। जिसका ग्रामीण पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। रविवार को कलश यात्रा, और सोमवार को प्रतिमाओ का नगर भ्रमण किये प्राण प्रतिष्ठा और भोजन प्रसाद के बाद महोत्सव का समापन हुआ। जिसमें परासिया जनपद अध्यक्ष समिति के सदस्य अशोक आम्रवंशी ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में पचमढ़ी चौरागण के श्री श्री 1008 श्री गरीब दास जी महाराज, दादा धूनीवाले सुखराम महाराज जी आंचल कुंड की उपस्थिति एवं जिसमें परासिया विधायक सोहन बाल्मिक, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, एससी आयोग सदस्य मध्य प्रदेश गुरुचरण खरे उपस्थित। इस दौरान बड़ी संख्या भव्य भंडार वितरण किया गया वहीं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं व पुरुष एवं सामाजिक बंधु समिति सदस्य उपस्थित रहे।

2 मृत कर्मी के आश्रित सदस्यों को अनुकंपा नियुक्ति के आदेश

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा आज

कलेक्टर कार्यालय में शासकीय सेवा के दौरान मृत 02 कर्मियों के आश्रित सदस्यों को अनुकम्पा नियुक्ति के आदेश प्रदाय किए गए। यह अनुकम्पा नियुक्ति श्रीमती अमृता गाजलवार पति स्व. विजयकांत गाजलवार, वार्ड नंबर-33 भूषणवाड़ी, सुभाष कॉलोनी जिला छिंदवाड़ा को सहायक ग्रेड-3 के रिक्त पद पर शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय खिरसाडोह में और श्री सनत कुडोपा पिता स्व.श्री प्रतिभानसाशाह कुडोपा मुकाम मोयाकुही पोस्ट लोटिया, तहसील हर्रई को सहायक ग्रेड-3 के रिक्त पद पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में प्रदाय की गई है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री अजय पांडे भी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा यह अनुकम्पा नियुक्ति जिला कार्यालय छिन्दवाड़ा के अधीन शासकीय सेवा के दौरान मृतकर्मी के आश्रित सदस्य के अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण का परीक्षण कर शासन के निर्धारित दिशा निर्देशों के अनुसार जिले के कार्यालय/संस्था में सहायक ग्रेड-3 (तृतीय श्रेणी) के रिक्त पद पर मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधरण) प्राधिकार से प्रकाशित वित्त विभाग के 20 जुलाई 2017 के ज्ञाप में वर्णित सातवें वेतनमान रूपये (19500-62000) का न्यूनतम वेतनमान 19500/- एवं शासन द्वारा देय अन्य भत्तों में आगामी आदेश पर्यन्त 03 वर्ष की परिवीक्षा अवधि में प्रदान की गई है।

नदी के पवित्र स्थल पहुंचने से मिलती है अलग प्रकार की ऊर्जा

कन्हान नदी के उद्गम स्थल पहुंचकर मंत्री प्रहलाद पटेल ने की पूजा:अर्चन जल बचाने और पौधारोपण को बढ़ावा देने ग्रामीणों से की अपील

छिन्दवाड़ा। मध्य प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल बुधवार को छिंदवाड़ा प्रवास के दौरान जनपद पंचायत जुन्नारदेव की ग्राम पंचायत इकलासामी के ग्राम भालेआम पहुंचे। यहां उन्होंने कन्हान नदी के उद्गम स्थल का पूजन कर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनसभा को संबोधित किया। ग्राम में पहुंचते ही ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक अंदाज में उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात मंत्री श्री पटेल दुर्गम रास्तों से होते हुए कन्हान नदी के उद्गम स्थल तक पहुंचे और वहां विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद आमसभा को संबोधित करते हुये उन्होंने बताया कि यह 15वां नदी उद्गम स्थल है, जहां वे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पहुंचे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कन्हान नदी को बारहमासी नदी के रूप में विकसित किया जा सकता है। अभी भी इसके उद्गम स्थल पर 12 फीट गहरा जल उपलब्ध है, जो यह दर्शाता है कि यदि हम प्रयास करें तो यह नदी पूरे वर्ष बह सकती है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि वे उद्गम स्थल पर पौधारोपण भी करें।सभा को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जो भी व्यक्ति ऐसे पवित्र स्थलों तक पहुंचता है, उसे एक अलग प्रकार की ऊर्जा प्राप्त होती है। जल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जब किसी आदिवासी ग्राम में झरने का पानी सूख जाता है, तो वहां के ग्रामीण तुरंत चिंता में आ जाते हैं, लेकिन पढ़े-लिखे लोग नदियों के सूखने को भी गंभीरता से नहीं लेते। मंत्री श्री पटेल ने सभी से जल स्रोतों के संरक्षण की अपील करते हुए कहा कि जल का संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सबका कर्त्तव्य है। यदि आज हम जल स्रोतों को नहीं बचाएंगे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संकट और भी गंभीर होगा। इसलिए अभी से सजग होकर हर नागरिक को अपने हिस्से का योगदान देना चाहिए। इस दौरान छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू, शेषराव यादव, महापौर विक्रम अहके, पूर्व विधायक नथनशाह कवरेती, श्रीमती गरिमा दामोदर सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक अजय पांडे व जिला पंचायत सीईओ श्री अग्रिम कुमार सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम विभाग के अधिकारी कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

अपनों से अलग हुए मंत्री प्रहलाद पटेल

छिंदवाड़ा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रममंत्री प्रहलाद पटेल का छिंदवाड़ा से पुराना नाता है वे लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। उनके कई खास समर्थक भी छिंदवाड़ा जिले में हैं जब भी वे छिंदवाड़ा आते थे उनसे बगैर मिले जाते नहीं थे। चुनाव ऐसी चीज है जो अपनों को अपनों से अलग कर देती है। प्रहलाद पटेल इन दिनों एक अच्छा काम कर रहे हैं वे नदियों के उद्गम स्थलों का भूमिपूजन कर रहे हैं। छिंदवाड़ा जिला देश में सबसे ज्यादा नदियों के उद्गम वाला जिला है बताया जाता है कि यहां से गयारह नदियां निकलती हैं।

प्रहलाद पटेल के इस दौरे में उन्होने तामिया और हर्रई को चुना वे छिंदवाड़ा मुख्यालय नहीं आ रहे हैं। जबकि छिंदवाड़ा भी बोदरी नदी का उद्गम स्थल है। जिले की सभी नदियों के उद्गम स्थल को पर्यटक क्षेत्र बनाया जा सकता है जो पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहेगा। प्रहलाद पटेल छिंदवाड़ा मुख्यालय नहीं आये वे तामिया से ही हर्रई चले जाएंगे। बताया जाता है कि प्रहलाद पटेल एक समय में पूर्व विधायक रमेश दुबे के गहरे मित्र थे। बगैर पंडित जी से मिले जाते नहीं थे। किन्तु हाल ही के विधानसभा में पंडित जी एवं प्रहलाद पटेल की खटक गई, रमेश दुबे को चौरई विधानसभा से टिकट नहीं मिली उन्होने लखनवर्मा का सपोर्ट किया और टिकट लखन वर्मा को मिली और वे चुनाव हार गये, टिकिट देना नहीं देना पार्टी का मामला है लेकिन आरोप प्रहलाद पटेल पर लगे। आरोप कहां तक सहीं हैं यह तो वे जी जाने किन्तु विधानसभा चुनाव के बाद प्रहलाद पटेल एवं रमेश दुबे का मिलना बंद हो गया है। प्रहलाद पटेल पंडित रमेश दुबे का साथ देते तो निश्चित ही चुनाव जीत जाते किन्तु कहते हैं कि जब भाग्य साथ नहीं देता तो परिस्थितियां बदल जाती हैं। केन्द्रीय नेता प्रहलाद पटेल केन्द्रीय नेता से राज्य के नेता हो गये वे। उन्हें जिले की सभी नदियों के उद्गम स्थल का भूमिपूजन करना चाहिए। संदीप मिश्रा के खिलाफ नहीं बनी जांच समीति श्रममंत्री ने सौंसर विधायक विजय चौरे के प्रश्न पर श्रम अधिकारी संदीप मिश्रा के खिलाफ तीन अधिकारियों की जांच कमेटी बनाने को कहा था किन्तु आज तक जांच कमेटी नहीं बनी और श्रम अधिकारी अपनी आदत के अनुसार कार्य कर रहे हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष की मंत्री से चर्चा

मध्य प्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद पटेल का बुधवार को तामिया आगमन हुआ। मप्र शासन के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल के तामिया पहुंचाने पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने साथियों के साथ उनका भव्य स्वागत किया एवं संगठनात्मक विषयों पर चर्चा किए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के साथ जिला उपाध्यक्ष योगेश साहू, जिला मंत्री हजारी साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता विजय पांडे, धर्मेंद्र मिगलानी, गुरजीत सिंग बेदी, लखन वर्मा, अनिल राय, भारत घई, प्रमोद शर्मा, राकेश माइकल पहाड़े, अरूण गद्रे सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आदिवासियों की जमीन कन्वर्ट करने का छिन्दवाड़ा में बन रहा रिकॉर्ड : नकुलनाथ

मप्र में सर्वाधिक आदिवासियों की जमीन गैर आदिवासियों को छिन्दवाड़ा में बेची जा रही

छिन्दवाड़ा। आदिवासियों की पहचान जल, जंगल व जमीन है। उनकी यह पहचान पूर्णतः सुरक्षित रहे इसके लिए कांग्रेस की सरकार में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने कानून लाया। ताकि आदिवासियों की जमीन, उनके अधिकार, मान व सम्मान बना रहे। आप सभी इस बात के प्रत्याक्षदर्शी है कि जब तक कांग्रेस की सरकार रही तब तक आदिवासियों की जमीन उनके अधिकार किसी ने नहीं छीने। किन्तु वर्तमान भाजपा सरकार में शासन व प्रशासन भी आदिवासियों पर अत्याचार कर रहा है। उक्त उदगार आज जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के धनौरा में आयोजित क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी की बैठक को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए नकुलनाथ ने आगे कहा कि छिन्दवाड़ा जिला मुख्यालय के आस-पास की हजारों एकड़ भूमि गैर आदिवासियों को नियम विरुद्ध बेची जा चुकी है, अगर इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है तो इसमें भाजपा नेताओं के नाम सामने आएंगे। किन्तु शासन व प्रशासन इस मामले को लेकर गम्भीर नहीं है। उन्होंने भाजपा की वादा खिलाफी याद दिलाते हुए उपस्थित अपार जनसमूह से कहा कि बहनों को 3 हजार रुपए देने का वादा किया था, किन्तु आज भी 12 सौ रुपए से अधिक नहीं दिए जा रहे, यह छल-कपट समझना होगा।

नकुलनाथ नेतृत्व में लिकलेगी संविधान बचाओ रैली

धनौरा क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी की आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए नकुलनाथ ने उपस्थित जनसमूह को 8 मई दिन गुरुवार को छिन्दवाड़ा में आयोजित संविधान बचाओ रैली में आमंत्रित करते हुए कहा कि संविधान की रक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। क्योंकि संविधान सुरक्षित रहेगा तभी हमारे मौलिक अधिकार भी सुरक्षित रहेंगे। आयोजित बैठक में धनौरा क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण व कार्यकर्तागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

छींद से बने पारंपरिक मुकुट-माला पहनाकर तामिया में हुआ आत्मीय स्वागत

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल दो दिवसीय दौरे पर जिले के विकासखंड तामिया पहुंचे। मंत्री श्री पटेल के विश्रामगृह तामिया पहुंचने पर छिंदवाड़ा की पारंपरिक सांस्कृतिक परंपरा को सजीव करते हुए जिले के जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीयवासियों ने छींद के पत्तों से बने मुकुट और माला पहनाकर उनका आत्मीय स्वागत अभिनन्दन किया। इस अवसर पर छिंदवाड़ा सांसद श्री विवेक बंटी साहू, श्री शेषराव यादव, महापौर श्री विक्रम अहके, पूर्व विधायक नथनशाह कवरेती, श्रीमती गरिमा दामोदर सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक अजय पांडे व जिला पंचायत सीईओ श्री अग्रिम कुमार सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम विभाग के अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद थे।

नकुलनाथ के हस्ते हुआ कार्तिक उरांव मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ

कमलनाथ व नकुलनाथ की ओर से प्राप्त होगी सिटी स्कैन मशीन

छिन्दवाड़ा। जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के हस्ते परासिया में कार्तिक उरांव मल्टी स्पेशलिटी एंड मल्टीकेयर हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए नकुलनाथ ने कहा कि मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व मेरे प्रयासों से छिन्दवाड़ा में मेडिकल कॉलेज व 14 सौ करोड़ से मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनना था, यह मध्य भारत का सर्वश्रेष्ठ हॉस्पिटल होता, किन्तु सत्ता में आते ही भाजपा सरकार ने क्रमवार बजट कम किया। जिला मुख्यालय पर मेडिकल कॉलेज खुलने के बाद से मरीजों को नागपुर की दौड़ नहीं लगानी पड़ रही है। अब परासिया में कार्तिक उरांव मल्टी स्पेशलिटी एंड मल्टीकेयर हॉस्पिटल के शुरभारंभ के साथ ही इस क्षेत्र के लोगों को नागपुर अथवा छिन्दवाड़ा जाने की जरूरत नहीं होगी। मुझे पूरा भरोसा है कि यह हॉस्पिटल मरीजों को सम्पूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में सफल होगा। अपने सारगर्भित उदबोधन में आगे कहा कि मेरी ओर से जो भी सहयोग लगेगा वह मैं अवश्यक करुंगा।

नकुल-कमलनाथ की ओर से मिलेगी सिटी स्केन मशीन

कार्तिक उरांव मल्टी स्पेशलिटी एंड मल्टीकेयर हॉस्पिटल के शुभारंभ अवसर पर नकुलनाथ ने कहा कि कमलनाथ व उनकी ओर से अस्पताल को सिटी स्कैन मशीन प्रदान की जाएगी ताकि क्षेत्र के मरीजों को सिटी स्कैन कराने के लिए जिला मुख्यालय की ओर ना देखना पड़े।

जनसुनवाई में शिकायत लापरवाहों पर कार्यवाही की मांग

परासिया । नगर पालिका परिषद डोंगर परासिया की बैठकों में बजट की अपूर्ण प्रस्तुति एवं वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में शिकायत नेताप्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह ने की जिसमें उन्होंने बताया गया की नगर पालिका परिषद डोंगर परासिया के निर्वाचित जनप्रतिनिधि हूं आपके संज्ञान में एक गंभीर विषय लाना चाहते हैं। परन्तु दिनांक 11 अप्रैल 2025 एवं 29 अप्रैल 2025 को आयोजित परिषद की बैठकों में नगर पालिका का वार्षिक बजट अपूर्ण रूप में प्रस्तुत किया गया। परिषद सदस्यों द्वारा बजट की कमियों को स्पष्ट रूप से बताया गया तथा लिखित आपत्तियाँ भी बैठक में प्रस्तुत की गईं। जिसे नगरपालिका के प्रोसीडिंग्स रजिस्टर में बकायदा उल्लेख किया गया है दिनांक 11/4/2025/एवं 29/4/2025 की बैठक में की बजट में त्रुटि व कमियां है जिसे दूर किया जाना चाहिए इसके बावजूद मुख्य नगर पालिका अधिकारी और अध्यक्ष द्वारा बजट में आवश्यक सुधार न करते हुए उसे जबरन स्वीकृति के लिए आपके कार्यालय भेजने का प्रयास किया जा रहा है, जो कि न केवल परिषद की प्रक्रिया की अवहेलना है, बल्कि वित्तीय पारदर्शिता के सिद्धांतों के विपरीत भी है और जनता हित में भी नहीं है।जबकि परिषद सदस्य बजट पारित करने के विरोध में नहीं हैं, किन्तु हमारा आग्रह है कि बजट को पूर्ण, स्पष्ट एवं नियमानुसार प्रस्तुत किया जाए। बजट को 31 मार्च के पहले प्रस्तुत किया जाना चाहिए था मगर मुख्य नगरपालिका के आदरणीय अध्यक्ष जी के लापरवाही एवं तानशाही व प्रशासनिक लापरवाही के कारण भी बजट प्रस्तुत नहीं किया भाजपा की परिषद को जनता और कमचारियों के हितों से कोई लेना-देना नहीं है इसलिए इतने महत्वपूर्ण कार्य बजट इतनी बड़ी लापरवाही बरती गई वहीं 31 मार्च के उपरांत दो अवसरों पर बजट का अपूर्ण प्रस्तुतीकरण वित्तीय नियमों का उल्लंघन है तथा इससे नगर के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है, जिससे आमजन को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

पाढर समिति में उच्च गुणवत्ता की सरसों खरीदी

सांध्य प्रकाश बैतूल। पाढर समिति के दादा जी वेयरहाउस में 6 मई को सरसों की गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। जिसमें साफ और मानक के अनुसार सरसों पाई गई। निरीक्षण के दौरान ग्रेडिंग मशीन, छलना, ब्लोअर और समिति प्रबंधक भी मौके पर मौजूद थे। उपार्जन प्रभारी, समिति प्रबंधक और समिति ऑपरेटर ने पंचनामा के माध्यम से इस बात की पुष्टि की कि वेयरहाउस में रखी गई सरसों की गुणवत्ता सही है। केंद्र प्रभारी ने बताया कि पत्राचार के माध्यम से कुछ अफवाहें फैलाई जा रही है। कि खरीदी केंद्रों पर कम गुणवत्ता वाली सरसों खरीदी जा रही है। जो पूरी तरह से गलत और बेबुनियाद है। उन्होंने कहा कि पाढर समिति के सभी केंद्रों पर केवल उच्च क्वालिटी और एफएक्यू मापदंड की ही सरसों खरीदी जा रही है। समय-समय पर उच्च अधिकारियों द्वारा भी इन केंद्रों का निरीक्षण किया जाता है। ताकि गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि पत्राचार के माध्यम से लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं और इन पर रोक लगाने की मांग की गई है।

इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम में परीक्षा परिणाम के पूर्व भी पंजीयन

दैनिक सांध्य प्रकाश संवाददाता । खरगोनसंचालनालय तकनीकी शिक्षा मध्यप्रदेश ने इस वर्ष 10वीं कक्षा की परीक्षा में शामिल हुये विद्यार्थियों को पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के इलेक्ट्रानिक्स एवं टेलकम्यूनिकेशन, कप्युटर साइस, इनफार्मेशन टेक्नॉलजी और फैशन टेक्नॉलजी इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रकिया में सुविधा प्रदान करते हुए परीक्षा परिणाम जारी होने के पूर्व भी पंजीयन की सुविधा प्रदान की है। ऐसे विद्यार्थी जो 10 वी कक्षा की परीक्षा में शामिल हुए है और परीक्षा परिणाम जारी नहीं हुआ है, अपना प्रावधिक पंजीयन स्त्रह्लद्द द्बश्चशठ्ठद्यद्बठ्ठद्ग द्द्श1 द्बठ्ठ पर करवा सकते हैं। परिक्षा परिणाम जारी होने के बाद काउसलिंग पोर्टल पर का उपयोग कर विवरण दर्ज करना आवश्यक होगा। 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी भी इलेक्ट्रानिक्स एवं टेलकम्यूनिकेशन कंप्युटर साइस, इनफार्मेशन टेक्नॉलजी और फैशन टेक्नॉलजी इजीनियरिंग डिप्लामा पाठ्यक्रम में प्रथम चरण में दिनांक 30.04.2025 से दिनाक 01.06.2025 तक प्रवेश प्राप्त कर सकते है। प्राचार्य एस एस मुकाती ने बताया की प्रवेश सम्बधित अधिक जानकारी मनीष पुरस्वानी 9827363184, विजय सिह चोंगड 9826852320 दीपक पाटीदार 9827653946 स्मिता परसाई 9926271061 से एवं संस्था शासकीय पालीटेक्निक महाविध्यालय , उमरखली रोड खरगोन में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

सी एस सी वी एलई कार्य शाला मे नए प्रोजेक्ट और सेवाओं की दी जानकारी

उत्कृष्ट कार्य करने वाले वीएलई को प्रमाण पत्र वितरण

सांध्य प्रकाश बैतूल। जिला पंचायत कार्यालय सभागार बैतूल में एक दिवसीय सी एस सी कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सीएससी राज्य कार्यालय भोपाल से पहुंचे सीएससी राज्य प्रमुख अतुलित राय ने सभी सीएससी वीएलई को विभिन्न सीएससी सेवाओं और नए प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सभी वीएलई की समस्याओं का निराकरण करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की संपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में आयुष्मान कार्ड, बिजली बिल लोन बाजार डिजिपे आधार कार्ड, बैंकिंग सेवाएं, बीमा सेवाएं, टेली लॉ सर्विस, ग्रामीण ई-स्टोर, फार्मर रजिस्ट्री, ई-केवाईसी जैसी सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर सीएससी सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वीएलई को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। कार्यशाला में राज्य कार्यालय से सागर गुप्ता और रवि सिंह, एक्सिस बैंक से दीपक हरचंदानी, आईआईएफएल से राहुल, आधार हाउसिंग से आशीष आर्य, एचडीएफसी बैंक से मनीष शर्मा, एसबीआई इंश्योरेंस से राकेश भैरवा, आकाश कोलंकर और सीएससी जिला प्रबंधक कमलेश रघुवंशी और विशाल झपाटे उपस्थित रहे। सभी वीएलई को इंश्योरेंस, लोन बाजार और आधार यूसीएल कार्य के बारे में जानकारी दी गई।

कलेक्टर की अध्यक्षता में संपन्न हुई रोगी कल्याण समिति की बैठक

नरसिंहपुर, कलेक्टर शीतला पटले की अध्यक्षता में और विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल की विशेष मौजूदगी में रोगी कल्याण समिति की बैठक बुधवार को जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में 12 प्रस्ताव पारित किये गये। बैठक में डीईआईसी के सुचारू संचालन के लिए एक डाटा एंट्री ऑपरेटर आउटसोर्स के माध्यम से रखे जाने, मरीजों व उनके परिजनों के लिए शुद्ध पेयजल के लिए 80 लीटर क्षमता वाले दो नग वॉटर कूलर, अस्पताल में स्थापित लिफ्ट के रखरखाव के लिए एएमसी, डाटा संधारण के लिए एक कम्प्यूटर, एनआरसी के लिए 4 एसी, आईसीयू के लिए दो एसी, पैथोलॉजी के लिए एक एसी व एसएनसीयू के लिए 4 एसी, मेनगेट के बाये तरफ के लिए रजिस्ट्रेशन, दवा वितरण के लिए 5 कक्ष, टीन शेड निर्माण, प्राइवेट वार्ड के स्थल पर चिकित्सक ओपीडी एवं उनके प्रथम तल पर प्राइवेट वार्ड का निर्माण, एमसीएच भवन में मरीजों के परिजनों के लिये बैठने के लिये ग्रेनाईट से निर्मित पट्टी, पोस्ट एलएससीएस मापदंड के अनुसार फाउलर बेड, वॉइल ऑपरेटर, सीलिंग व लाईट, मेडिकल रिकार्ड रुम के लिए एक नग कम्प्यूटर व स्केनर तथा प्रबंधकीय कार्य के लिए 3 कम्प्यूटर, एचडीयू में विनायल फ्लोरिंग का कार्य करवाये जाने के लिए, औषधीय भंडार गृह के लिए 10 हेवी ड्यूटी आयरन रैक, जिसकी लंबाई 10 फीट, ऊंचाई 8 फीट व गहराई 3.5 फीट क्रय किये जाने के लिए प्रस्तावित अनुमोदित किये गये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. रिपुदमन सिंह, डॉ. रिचा मिश्रा, सौरभ शंकर दुबे, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, सिविल सर्जन और अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।

राजधानी में मॉक ड्रिल के बाद ब्लैक आउट

केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के तहत भोपाल में मॉक ड्रिल के बाद शाम 7:30 बजे प्रशासन ने 12 मिनट के लिए ब्लैक आउट किया गया। इस दौरान शहर की लाइट पूरी तरह से बंद थी। आम लोगों ने भी पूरा सहयोग किया। ब्लैक आउट के दौरान ट्रैफिक को बीच चौराहे पर रोक दिया गया। इस दौरान सायरन की आवाज के साथ ही लोगों ने बत्तियां बुझा दीं

सोशल मीडिया से

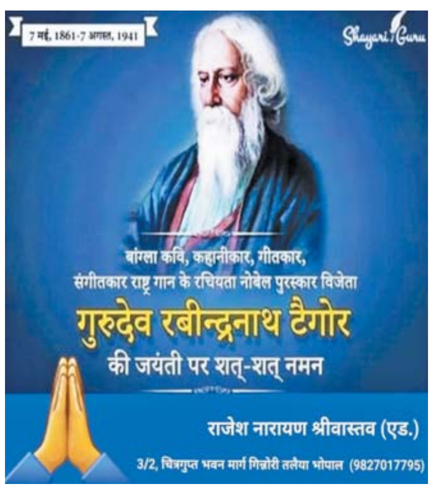

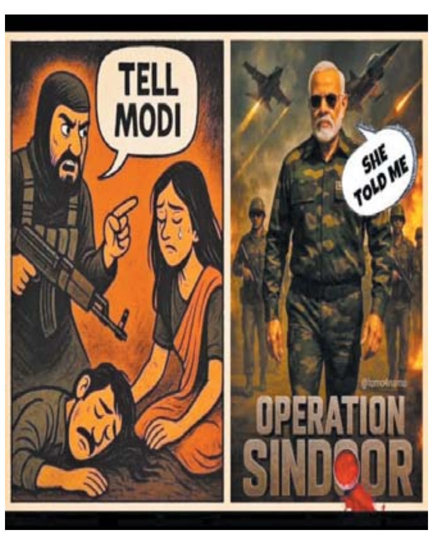

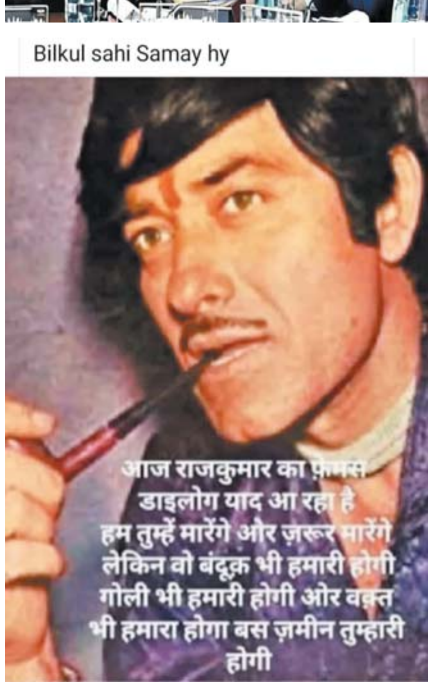

भोपाल-इंदौर में सायरन बजते ही ब्लैक आउट

लोगों ने घरों-दुकानों की लाइट बंद रखी, सड़कों पर गाड़ियों की हेडलाइट भी ऑफ

भोपाल। एमपी के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी में शाम 7.30 बजे से 7.45 तक ब्लैक आउट रहा। इस दौरान लोगों ने घरों-दुकानों और दफ्तरों की लाइट बंद रखी। सड़कों पर दौड़ रही गाड़ियों की रफ्तार भी हेडलाइट बंद होते ही थम गई। ये ब्लैक आउट मॉक ड्रिल के तहत किया गया।

ब्लैक आउट के दौरान कहीं-कहीं तो पूरी तरह अंधेरा रहा, जबकि कहीं-कहीं लोगों ने लाइट बंद नहीं की। ग्वालियर में घर, दुकान की लाइट्स तो बंद हो गईं, लेकिन शहर के ट्रैफिक में अवेयरनेस की कमी दिखी। 80 फीसदी लाइट्स बंद रहीं, लेकिन 20 फीसदी वाहनों व घरों की लाइट चलती रही।

इससे पहले शाम चार बजे भोपाल और जबलपुर के मॉल में अचानक धुआं उठा। रेस्क्यू टीम तेजी से मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया। इंदौर के मेडिकल कॉलेज में फंसे लोगों को रेस्क्यू किया गया। ये दृश्य मॉक ड्रिल के हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी में मॉक ड्रिल की गई। शाम 4 बजे से शुरू हुई मॉक ड्रिल को अलग-अलग लेवल पर बांटा गया है। शाम 7.30 बजे से 12 मिनट के लिए ब्लैक आउट भी शुरू हो गया है।

भोपाल-जबलपुर के एक-एक मॉल और इंदौर के डेंटल कॉलेज में आग लगने का सीन क्रिएट किया गया। पुलिस, एयर फोर्स, एनडीआरएफ और एसडीईआरएफ ने मिलकर रेस्क्यू सिखाया। टीम ने लोगों को बताया कि आगजनी या हमले के वक्त कैसे सुरक्षित रहें और दूसरों की मदद भी करें।

भोपाल- आग के दौरान बचना सिखाया- एमपी नगर स्थित डीबी मॉल में फायर सेफ्टी को लेकर मॉक ड्रिल की गई। यहां धुआं उड़ाया गया और आग बुझाने की प्रैक्टिस की। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तेजी से आईं। मेडिकल टीम भी तत्काल पहुंची और लोगों को रेस्क्यू कर नूतन कॉलेज स्थित अस्थायी अस्पताल पहुंचाया। न्यू मार्केट, भेल परिसर और कोकता में भी मॉक ड्रिल की गई।

इंदौर- डेंटल कॉलेज और रेसीडेंसी कोठी में बचाव कार्य- रेसिडेंसी कोठी में मॉक ड्रिल की गई। यहां पर एक बिल्डिंग में हमले की आशंका का सीन क्रिएट किया गया। लोगों को बाहर निकालकर रेसीडेंसी कोठी के बंकर में सुरक्षित पहुंचाया गया है।

जबलपुर-प्रतीकात्मक बम गिराए, रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया

समदड़िया मॉल में प्रतीकात्मक तौर पर दो बम गिरे। मॉल की ऊपरी मंजिल पर आग लग गई। मॉल के प्रथम तल पर स्मोक बम भी आ गिरा और चारों तरफ धुआं ही धुआं हो गया। चीख-पुकार के साथ भगदड़ मच गई। खबर मिलते ही सायरन बज उठे। पुलिस, एम्बुलेंस, फायर फाइटर के वाहन घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को रेस्क्यू किया।

ग्वालियर-मलबे में फंसे लोगों को रेस्क्यू करना सिखाया

सिविल डिफेंस की मॉक ड्रिल के दौरान प्रतीकात्मक हवाई हमले में बिल्डिंग ध्वस्त हुई। रेलवे स्टेशन पर मलबे में फंसने का सीन क्रिएट किया गया। मलबे में कई लोग दबे। जिसके बाद घायलों को सुरक्षित मलबे से बाहर निकला गया। उन्हें एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा गया। गोला का मंदिर आईटीआई तिराहे पर मॉक ड्रिल की गई।

कटनीः सायरन बजते ही सभी अलर्ट हो गए

साधु राम स्कूल में सायरन बजते ही जवान अलर्ट हो गए। स्कूल की छत पर प्रतीकात्मक बम फेंका गया। इसके बाद जवान छत पर चढ़े। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गईं। आग बुझाने और यहां फंसे लोगों को बाहर निकालने की प्रैक्टिस की गई। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को परखने के साथ लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

फार्मासिस्ट पंजीयन प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ करने हेतु एबीवीपी ने राज्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भोपाल द्वारा आज माननीय श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल जी (राज्य मंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन) को फार्मासिस्ट पंजीयन प्रक्रिया में आ रही बाधाओं के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में ABVP ने बताया कि विगत लगभग एक वर्ष से मध्यप्रदेश राज्य फार्मेसी परिषद द्वारा पंजीयन प्रक्रिया स्थगित होने के कारण प्रदेश के हजारों फार्मेसी स्नातक छात्रों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में 1100 से अधिक छात्र पंजीयन की प्रतीक्षा में हैं, जिससे उन्हें रोजगार, उच्च शिक्षा व अन्य व्यावसायिक अवसरों से वंचित रहना पड़ रहा है।

इस स्थिति से छात्र मानसिक तनाव, असंतोष और भविष्य के प्रति निराशा का अनुभव कर रहे हैं। यह प्रदेश की फार्मेसी शिक्षा की गुणवत्ता और विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहा है।

ABVP ने निम्नलिखित प्रमुख मांगें रखीं

1. सभी लंबित पंजीयन आवेदनों की प्रक्रिया अविलंब प्रारंभ की जाए और एक माह के भीतर प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएं।
2. शिकायतों हेतु ऑनलाइन ट्रैकिंग सुविधा सहित एक पोर्टल विकसित किया जाए।
3. आवेदन के समय ही स्लॉट आवंटन की व्यवस्था लागू की जाए।
4. स्पीड पोस्ट की बाध्यता हटाकर प्रक्रिया को पूर्णतः डिजिटल बनाया जाए।
5. परिषद कार्यालय में हेल्पडेस्क और टोल-फ्री हेल्पलाइन शुरू की जाए।
6. नवीनीकरण के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए।
7. प्रति वर्ष पंजीयन हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाएं।
8. पंजीयन प्रक्रिया को सुदृढ़ करने हेतु एक पूर्णकालिक अधिकारी की नियुक्ति की जाए।

ABVP ने आशा व्यक्त की है कि राज्य सरकार इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक कदम उठाएगी और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में ठोस पहल करेगी।

एमपी के छतरपुर में 5वीं तक पढ़ीं हैं कर्नल सोफिया

ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग के बाद भाई को कॉल कर बोलीं- कैसा लगा, धमाका कर दिया न

छतरपुर। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हुए ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी का पैतृक गांव मध्यप्रदेश में है। सोफिया ने छतरपुर जिले के नौगांव से अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सोफिया ने नौगांव के चच्चा कॉलोनी में रहने वाले उनके परिवार को कॉल कर कहा-

मिशन पूरा हुआ, कैसा लगा, धमाका कर दिया न।

कर्नल सोफिया कुरैशी का जन्म रंगरेज मोहल्ले में 12 दिसंबर 1975 को हुआ। उनकी प्राथमिक शिक्षा नौगांव के शासकीय जीटीसी प्राथमिक स्कूल से हुई। नौगांव में उनके चाचा का परिवार रहता है।

बहन ने परिवार का सम्मान बढ़ाया- सोफिया के चचेरे भाई मैकेनिकल इंजीनियर मोहम्मद रिजवान ने दैनिक भास्कर से बात करते हुए कहा, सोफिया कर्नल बन चुकी है। उसने नौगांव में रहकर एक से पांच तक जीटी स्कूल में पढ़ाई की। नौगांव शहर के लोगों को बेटी पर गर्व है।

रिजवान ने कहा, भारतीय सेना ने पाकिस्तान को जो मुंहतोड़ जवाब दिया है, उससे हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा हो गया है। पूरी दुनिया को आपरेशन सिंदूर की जानकारी बहन सोफिया ने दी, इससे परिवार का सम्मान और बढ़ गया है। आतंकवादियों ने हमारे टूरिस्ट्स को मारा था। भारत ने 9 आतंकी ठिकानों पर मिसाइल दागी हैं। यह बहुत जरूरी था। पुलवामा आतंकी हमले में भी हमारे कई जवान शहीद हुए थे। भारत ने बहुत सुन लिया, अब हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है।

सोफिया का पूरा परिवार भारतीय सेना में

सोफिया के पिता ताज मुहम्मद कुरैशी बीएसएफ में सूबेदार के पद से रिटायर्ड हैं। उनके चाचा इस्माइल कुरैशी और वली मुहम्मद भी बीएसएफ में सूबेदार रहे हैं। पिता की नौकरी के कारण सोफिया की आगे की पढ़ाई बड़ौदा और रांची में हुई। बड़ौदा में पढ़ाई पूरी होने के बाद सोफिया का चयन भारतीय सेना में हुआ। वे लेफ्टिनेंट से कैप्टन, फिर झांसी में मेजर और गांधीनगर में लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर रहीं। वर्तमान में वे कर्नल के पद पर सेवारत हैं। उनके पति ताजुद्दीन कुरैशी भी सेना में मेजर हैं।

बेटी ने बहनों-माताओं के सिंदूर का बदला लिया

सोफिया के पिता ताज मोहम्मद कुरैशी ने कहा, हमारी बेटी ने देश के लिए बहुत बड़ा काम किया है, हमें उस पर गर्व है। पाकिस्तान को नष्ट कर देना चाहिए। मेरे दादा, पिता और मैं सभी सेना में था। अब बेटी सेना में है।

मां हलीमा कुरैशी ने कहा, बेटी ने बहनों और माताओं के सिंदूर का बदला ले लिया है। सोफिया पिता और दादा के पदचिह्नों पर चलना चाहती थीं। बचपन में ही कहती थी कि सेना में जाना है।

सोफिया ने पहले भी किया देश का नेतृत्व

सोफिया ने 2016 में एक्सरसाइज फोर्स-18 में भारतीय टीम का नेतृत्व किया। यह भारत का सबसे बड़ा विदेशी सैन्य अभियान था। इसमें वह एकमात्र महिला कमांडर थीं। सोफिया ने 6 साल तक संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षा अभियानों में सेवा दी।

ऑपरेशन सिंदूरः पहली बार हमले में 'लॉइटरिंग म्यूनिशन' जैसे हथियारों का उपयोग

नई दिल्ली। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के आतंकी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के टारगेट हमले किए, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया है। इस ऑपरेशन में भारत ने पहली बार 'लॉइटरिंग म्यूनिशन' जैसे अत्याधुनिक हथियारों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। लॉइटरिंग म्यूनिशन एक प्रकार का प्रिसिजन हथियार होता है, जो लक्ष्य क्षेत्र के ऊपर मंडराता है और अपने टारगेट की पहचान करने के बाद हमला करता है। लॉइटरिंग म्यूनिशन को आमतौर पर 'कामिकेज ड्रोन' या 'सुसाइड ड्रोन' के रूप में भी जाना जाता है। यह एक प्रकार का सटीक-टारगेट हथियार है। यह ड्रोन न केवल लक्ष्य की तलाश करने में सक्षम होता है, बल्कि यह टारगेट क्षेत्र के ऊपर लंबे समय तक मंडराकर (लाइटर) सही समय पर हमला करता है। यह इंसानी कंट्रोल या ऑटोमैटिक मोड में काम कर सकता है और अपने साथ विस्फोटक ले जाता है, जो लक्ष्य पर टकराने के बाद नष्ट हो जाता है। इसकी खासियत यह है कि यह पारंपरिक मिसाइलों की तुलना में अधिक लचीलापन प्रदान करता है, क्योंकि यह हमले से पहले लक्ष्य की पुष्टि कर सकता है और अनावश्यक नुकसान को कम करता है।

ये हमले पूरी तरह से भारतीय क्षेत्र से किए गए

ऑपरेशन सिंदूर के तहत, भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना ने संयुक्त रूप से नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर स्थित मुख्यालय और लश्कर-ए-तैयबा का मुरीद स्थित मुख्यालय शामिल थे। सूत्रों के अनुसार, इन हमलों में लॉइटरिंग म्यूनिशन के साथ स्टैंड ऑफ क्रूज मिसाइलें और अन्य सटीक हथियार प्रणालियों का उपयोग किया गया। ये हमले पूरी तरह से भारतीय क्षेत्र से किए गए, जिससे भारतीय लड़ाकू विमानों को पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर कहा, न्याय हो गया। जय हिंद ! रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत ने लक्ष्यों के चयन और हमले के तरीके में काफी संयम बरता, ताकि क्षेत्रीय तनाव को बढ़ने से रोका जा सके। सूत्रों के अनुसार, भारतीय खुफिया एजेंसियों ने हमलों के लिए सटीक निर्देश प्रदान किए थे। ऑपरेशन में शामिल सभी पायलट सुरक्षित हैं, और यह हमला पहलगाम हमले का पहला चरण माना जा रहा है, जिसके बाद और कार्रवाइयां संभव हैं।